मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 85
रविवार, 05 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

एनडीए ने बिहार की बिगड़ी शिक्षा को संवारा, राजद-कांग्रेस ने किया था बर्बादः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार की बर्बाद शिक्षा व्यवस्था के लिए कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधा और इसे लोगों के दूसरे राज्यों में पलायन का कारण बताया। राष्ट्रीय राजधानी स्थित विज्ञान भवन में कौशल दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया कि बिहार में कांग्रेस-राजद शासन के दौरान न तो स्कूल खुले और न ही कोई भर्तियाँ हुईं।

उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को शायद अंदाजा नहीं होगा कि ढाई दशक पहले बिहार में शिक्षा व्यवस्था कितनी बदहाल थी। न स्कूल खुले थे, न ही भर्तियाँ हुईं। कौन माता-पिता नहीं चाहेगा कि उसका बच्चा यहाँ पढ़े और आगे बढ़े? लेकिन मजबूरी में लाखों बच्चे बिहार छोड़कर वाराणसी, दिल्ली और मुंबई जाने को मजबूर हुए। यहीं से पलायन की असली शुरूआत हुई।

मोदी ने राज्य में शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा, सौभाग्य से बिहार की जनता ने नीतीश कुमार को सरकार की जिम्मेदारी सौंपी और हम सब इस बात के गवाह हैं कि कैसे एनडीए की पूरी टीम ने मिलकर बिगड़ी हुई व्यवस्था को

पटरी पर लाया। बिहार में जन नायक कपूर्री ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय के उद्घाटन सहित 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की युवा-केंद्रित पहलों का शुभारंभ करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मुझे खुशी है कि आज के कौशल दीक्षांत समारोह में बिहार को एक नया कौशल विश्वविद्यालय मिला है। नीतीश कुमार की सरकार ने इस विश्वविद्यालय का नाम भारत रत्न कपूर्री ठाकुर के नाम पर रखा है।

प्रधानमंत्री ने राजद-कांग्रेस शासन की तुलना में 10 लाख स्थायी सरकारी नौकरियाँ पैदा करने और शिक्षा बजट बढ़ाने के लिए बिहार सरकार की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पिछले दो दशकों में, बिहार सरकार ने बिहार में 50 लाख युवाओं को रोजगार से जोड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में ही बिहार के युवाओं को लगभग 10 लाख स्थायी सरकारी नौकरियाँ दी गई हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार बिहार के युवाओं की क्षमता को और निखारने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। राजद-कांग्रेस शासन की तुलना में बिहार का शिक्षा बजट कई गुना बढ़ा दिया गया है।

पीलीभीत में हुई सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत, एक की हालत गंभीर

पीलीभीत, 04 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में शनिवार सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक महिला की हालत गंभीर है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि तीनों लोग कार से दिल्ली से काठमांडू जा रहे थे, इस दौरान रास्ते में कार का टायर पंचर होने पर वे सड़क किनारे खड़े थे, तभी तेज रफ्तार ट्रक उन्हें रौंदता हुआ निकल गया।

बीसलपुर कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि बीसलपुर बरेली मार्ग पर स्थित भड़रिया मोड़ पर सड़क किनारे शनिवार तड़के लगभग पांच बजे यह दुर्घटना हुई। उन्होंने बताया कि दो लोगों की मौत दुर्घटनास्थल पर ही हो गई जबकि तीसरे व्यक्ति ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान दिल्ली के इंदिरा पार्क के निवासी कार के मालिक गणेश कुमार (25) और नेपाल के काठमांडू के रहने वाले कार चालक निखिल (19) के रूप में हुई है जबकि तीसरे व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि अंजलि नामक 20 वर्षीय युवती की हालत बहुत गंभीर है, उसे बरेली भेजा गया है। शुक्ला ने बताया कि निखिल की मां पूजा भी उनके साथ थीं, जो दूसरी ओर खड़ी होने की वजह से बच गईं।

अधिकारी ने कहा कि तीनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं और महिला को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस दुर्घटना के बाद ट्रक समेत फरार हुए चालक की तलाश कर रही है।

दिवाली से पहले बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए घर पर राशन पहुंचाएगी तमिलनाडु सरकार

तमिलनाडु, 04 अक्टूबर। तमिलनाडु सरकार ने शनिवार को घोषणा कि वह 20 अक्टूबर को होने वाली दिवाली से पहले सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग परिवार कार्डधारकों के घर तक जरूरी वस्तुएं पहुंचाएगी।

मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन द्वारा अगस्त में शुरू की गई थायुमानवर योजना के तहत घर-घर वितरण किया जाएगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि वितरण पूरे राज्य में एक साथ किया जाएगा।

विज्ञप्ति के अनुसार 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग परिवारों के राशन

कार्डधारकों को मासिक राशन लेने के लिए अपने पड़ोस की उचित दर दुकानों पर जाकर कतारों में इंतजार करने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि दुकानों से वाहन जरूरी वस्तुओं को सीधे लाभार्थियों के घर तक पहुंचाएंगे। साथ ही सटीक और पारदर्शी वितरण के लिए पीडीएस कर्मचारी इलेक्ट्रॉनिक तराजू और ई-पीओएस मशीनों का इस्तेमाल करेंगे।

इस पहल से तमिलनाडु भर में कुल 21.7 लाख कार्डधारक लाभान्वित होंगे। उचित दर दुकानों को यह जानकारी अपने सूचना बोर्ड पर लगाने का निर्देश दिया गया है। सरकार ने बुजुर्गों और दिव्यांग जनों से इस योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

नक्सलियों के लिए सख्त संदेशः आओ, हथियार डाल दो, आकर्षक नीति तैयार हैः अमित शाह

छत्तीसगढ, 04 अक्टूबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सली आंदोलन पर लगाम लगाने के प्रयासों के तहत सरकार ने एक लाभदायक आत्मसमर्पण नीति तैयार की है। नक्सलियों से बातचीत की माँग पर शाह ने कहा कि इस बारे में बात करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि केंद्र और छत्तीसगढ़ की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बस्तर सहित पूरे नक्सल प्रभावित क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने बस्तर में शांति भंग करने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि राज्य की मशीनरी इसका कड़ा जवाब देगी। उन्होंने कहा कि इस देश की धरती से नक्सलवाद को अलविदा कहने के लिए 31 मार्च, 2026 की तारीख तय की गई है। शाह ने यहाँ बस्तर दशहरा समारोह में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोग (नक्सलियों से) बातचीत की बात करते हैं। मैं एक बार फिर स्पष्ट कर देना चाहता हूँः हमारी दोनों सरकारें, छत्तीसगढ़ सरकार और केंद्र सरकार, बस्तर और पूरे नक्सली क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित हैं। इसमें बात करने की क्या बात है? हमने एक बहुत ही आकर्षक आत्मसमर्पण नीति बनाई है। आइए, हथियार डाल दीजिए।

शाह ने साफ तौर पर कहा कि अगर आप हथियार उठाएँगे और बस्तर की शांति भंग करने की कोशिश करेंगे, तो हमारे सशस्त्र बल, सीआरपीएफ और छत्तीसगढ़ पुलिस जवाब देंगे। 31

मार्च, 2026 इस देश की धरती से नक्सलवाद को अलविदा कहने के लिए तय किया गया है। स्वदेशी अपनाने के आह्वान की वकालत करते हुए, शाह ने कहा, ₹अगर 140 करोड़ की आबादी स्वदेशी के संकल्प को अपना ले, तो हमारे भारत को दुनिया की शीर्ष आर्थिक व्यवस्था बनने से कोई नहीं रोक सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में जीएसटी दरों में कमी करके एक बड़ी राहत प्रदान की है। अगर हम स्वदेशी की संस्कृति को अपनाएँ, तो हमारे देश की अर्थव्यवस्था को बहुत गति मिलेगी। शाह ने बस्तर के युवाओं से नक्सल आंदोलन में शामिल न होने की सलाह देते हुए हिंसा का रास्ता छोड़नेर की अपील की। यह कहते हुए कि नक्सलवाद से किसी को कोई फायदा नहीं हुआ, शाह ने युवाओं से मुख्यधारा में शामिल होने का आग्रह किया और नक्सल मुक्त होने वाले गाँवों के लिए एक करोड़ रुपये के विकास कार्यों का आश्वासन दिया। शाह ने कहा, मैं लोगों से अपील करना चाहता हूँ कि वे गुमराह होकर नक्सलवाद में शामिल होने वाले युवाओं से हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने का आग्रह करें। गाँव के नक्सल समस्या से मुक्त होने के बाद, उन्हें विकास कार्यों के लिए एक करोड़ रुपये आवंटित किए जाएँगे।

भाजपा बंदूक के बल पर लोगों को राष्ट्रगान के लिए खड़ा कर रही हैः महबूबा मुफ्ती

कश्मीर, 04 अक्टूबर। महबूबा मुफ्ती की बयानबाजी का हमेशा से एक ही उद्देश्य रहता है कि राष्ट्र की मुख्यधारा से कश्मीर को लगातार काटे रखा जाये और हर राष्ट्रीय प्रतीक पर सवाल उठाये जाएं। उनका ताजा आरोप कि भाजपा बंदूक के बल पर लोगों को राष्ट्रगान के लिए खड़ा कर रही है, न केवल अतिशयोक्ति है बल्कि यह एक सोची-समझी नकारात्मक राजनीति का हिस्सा भी है। सच यह है कि राष्ट्रगान किसी भी देश के लिए केवल संगीत या शब्दों का समूह नहीं होता, बल्कि उसकी आत्मा, उसकी साझा पहचान और उसकी संप्रभुता का प्रतीक होता है। जब कुछ लोग जानबूझकर उसके सम्मान में खड़े होने से इंकार करते हैं, तो यह लोकतंत्र की स्वतंत्रता नहीं बल्कि उसकी मयार्दा का अपमान है। ऐसे में

पुलिस यदि अनुशासन बनाए रखने की कोशिश करती है, तो उसे बंदूक की राजनीति कहकर खारिज करना अपने-आप में राष्ट्रविरोधी मानसिकता का प्रमाण है। महबूबा मुफ्ती का यह बयान उस मनोवृत्ति का आईना है जो हर राष्ट्रीय पहल को दमन और हर अनुशासनात्मक कार्रवाई को दखल मानती है। विडंबना यह है कि वह खुद मानती हैं कि उनके छात्र जीवन में राष्ट्रगान पर खड़ा होना सहज था। इसलिए सवाल उठता है कि फिर आज यह सहजता क्यों लुप्त हो रही है? क्या इसके पीछे दशकों तक चले अलगाववादी एजेंडे और वही राजनीतिक छूट नहीं है, जिसका लाभ महबूबा जैसे राजनीतिज्ञ उठाते रहे हैं?

सार्वजनिक मैदानों और युवाओं के खेल स्थलों को बचाने की चिंता उचित हो सकती है, लेकिन जब वही मंच राष्ट्रगान और राष्ट्रीय भावनाओं पर चोट पहुंचाने का माध्यम बन जाए तो समस्या और गहरी हो जाती है। महबूबा मुफ्ती को यह समझना होगा कि युवाओं को नशे और भटकाव से बचाने का सबसे बड़ा उपाय उन्हें राष्ट्रीय धारा से जोड़ना है। इसमें कोई दो राय नहीं कि महबूबा की राजनीति अब केवल नकारात्मकता और आरोपों पर आधारित रह गई है। वह हर राष्ट्रीय प्रयास को विफलता कहकर पेश करती हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि उनकी अपनी विचारधारा ही विफल हो चुकी है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

नोएडा में सिलेंडर से रसोई गैस लीक होने के कारण मकान में आग लगी, पांच लोग झुलसे

नोएडा। नोएडा के भंगेल गांव में शुक्रवार रात सिलेंडर से रसोई गैस लीक होने के कारण एक मकान में आग लग जाने से एक परिवार के पांच लोग झुलस गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि मकान में किराए पर रह रहा परिवार भोजन बना रहा था तभी सिलेंडर से गैस लीक होने लगी और समय रहते रिसाव का पता न चल पाने के कारण अचानक आग लग गई। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारण हरिमोहन व्यास (55), उसकी पत्नी राजकुमारी (50) और उसके तीन बेटे सचिन (25), शिवम (22) एवं हिमांशु (19) झुलस गए।

विश्व शिक्षक दिवस– 5 अक्टूबर, 2025

शिक्षा युद्ध मानसिकता को बदलने का सशक्त माध्यम बने

-ललित गर्ग

विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में मनाया जाता है। इस दिन आध्यापकों को सामान्य रूप से और कतिपय कार्यरत एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों को उनके विशेष योगदान के लिये सम्मानित किया जाता है। इसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा साल 1966 में यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की उस संयुक्त बैठक को याद करने के लिये मनाया जाता है, जिसमें शिक्षकों की स्थिति पर चर्चा हुई थी और इसके लिये सुझाव प्रस्तुत किये गये थे। इस दिवस को 1994 के बाद से प्रतिवर्ष लगभग 100 से अधिक देशों में मनाया जा रहा है और इस प्रकार वर्ष 2025 में यह 33वाँ विश्व शिक्षक दिवस होगा। इस साल की थीम है-शिक्षण को सहयोगी पेशे के रूप में फिर से परिभाषित करना। इसका मतलब है कि पढ़ाई सिर्फ एक व्यक्ति का काम नहीं होना चाहिए। शिक्षक आपस में मिलकर अनुभव शेयर करें, नई तकनीकें अपनाएं और मिलकर शिक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाएं। इस तरह शिक्षक न सिर्फ अपने पेशे में संतुष्ट रहेंगे, बल्कि छात्रों को भी बेहतर शिक्षा मिल सकेगी। इस साल का संदेश यही है कि शिक्षा को सुधारने के लिए शिक्षण को व्यक्तिगत प्रयास से ऊपर उठाकर साझेदारी और सहयोग का पेशा बनाना होगा। जब शिक्षक मिलकर विचार साझा करेंगे और

जिम्मेदारियां बांटेंगे, तभी शिक्षा अधिक प्रभावी और प्रेरक बन पाएगी। शिक्षक सिर्फ ज्ञान देने वाले नहीं होते, बल्कि वे समाज में नवाचार, समानता और परिवर्तन के बीज बोते हैं। वे बच्चों को सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस सिखाते हैं, शिक्षक ही दुनिया में शांति एवं सह-जीवन का प्रभावी सन्देश दे सकते हैं। शिक्षक को पर्याप्त सम्मान, सहयोग और अवसर मिलें तो शिक्षा के माध्यम से एक आदर्श समाज-व्यवस्था एवं शांति की विश्व-संरचना स्थापित की जा सकती है। 2025 में विश्व शिक्षक दिवस की सबसे बड़ी सभा अदीस अबाबा, इथियोपिया में आयोजित हो रही है।

विश्व शिक्षक दिवस केवल एक औपचारिकता या शिक्षकों का अभिनंदन करने का अवसर भर नहीं है, बल्कि यह अवसर है शिक्षा की दिशा और दशा को लेकर गहन चिंतन करने का। यह अवसर है यह विचारने का कि आज शिक्षा क्या दे रही है और क्या उसे देना चाहिए। यह अवसर है यह पूछने का कि आज की शिक्षा व्यवस्था केवल नौकरी, व्यवसाय और उपभोग की भूख को बढ़ाने का साधन क्यों बन गई है, क्यों उसमें जीवनमूल्य, नैतिकता, शांति, सहअस्तित्व और अहिंसा जैसे आधारभूत तत्व लुप्त होते जा रहे हैं। यदि शिक्षा का ध्येय केवल ज्ञानार्जन या रोजगार प्राप्ति है तो वह अधूरी है। शिक्षा का परम ध्येय है-मनुष्य को मनुष्य बनाना, उसे सह-अस्तित्व, अमन और अयुद्ध की स्थितियों के प्रति उन्मुख करना।

आज दुनिया भय, हिंसा, युद्ध और तनाव के घेरे में है। तकनीक और विज्ञान ने सुविधाएं दी हैं, लेकिन उसके साथ शस्त्र-प्रतिस्पर्धा, परमाणु हथियारों का अंबार, और हिंसक प्रवृत्तियां भी दी हैं। इस भयावह परिदृश्य में शिक्षा का दायित्व केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रह सकता। शिक्षा को एक आंदोलन बनना होगा, एक वैश्विक अभियान बनना होगा, जो शांति, अहिंसा और अयुद्ध की भावना को संस्कार के रूप में हर हृदय में स्थापित करे। आज की शिक्षा व्यवस्था पश्चिमी उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रभावित होकर स्पर्धा, लाभ और अहंकार की मानसिकता पैदा कर रही है। बच्चे स्कूल और कॉलेजों में डिग्री तो प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन उनके भीतर करुणा, दया, सत्य, मैत्री और सहयोग जैसे गुणों का विकास नहीं हो रहा। समाज का ढांचा शिक्षा से निर्मित होता है, यदि शिक्षा अधूरी है तो समाज भी अधूरा रहेगा। अतः एक ऐसी नई शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक के साथ-साथ अध्यात्म और नैतिकता का संगम हो, जिसमें आत्मा की आवाज सुनी जा सके, जिसमें शिक्षा केवल बुद्धि का पोषण न होकर हृदय और संवेदनशीलता का भी निर्माण करे।

मानवता का सबसे बड़ा संकट युद्ध और हिंसा है। युद्ध केवल सेनाओं के बीच नहीं होता, बल्कि वह हमारे विचारों में, हमारी इच्छाओं में और हमारी संस्कृति में पलता है। शिक्षा का कार्य है इस युद्ध-मानसिकता को बदलना। शिक्षा को बच्चों और युवाओं के मन में यह स्थापित करना होगा कि शक्ति का वास्तविक स्वरूप हिंसा में नहीं, बल्कि अहिंसा में है। युद्ध में नहीं, बल्कि शांति में है। महात्मा गांधी ने कहा था-यदि हमें शांति चाहिए तो हमें बच्चों को शांति की शिक्षा देनी होगी। यह शिक्षा केवल पाठ्यक्रम का हिस्सा न होकर व्यवहार का हिस्सा बने। शिक्षक स्वयं शांति के प्रतीक हों, वे अपने आचरण और जीवन से यह संदेश दें कि संघर्ष का समाधान हथियारों से नहीं, संवाद और सहमति से होता है।

शिक्षा को केवल सरकारी योजनाओं या संस्थागत ढांचे पर नहीं छोड़ देना चाहिए। इसे एक आंदोलन के रूप में चलाने की आवश्यकता है। यह आंदोलन अहिंसा का शिक्षण कराए, संवाद की संस्कृति विकसित करे, मानवता को जाति-धर्म और राष्ट्र की सीमाओं से परे प्राथमिकता दे, पर्यावरण और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता पैदा करे और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करे। यह आंदोलन तभी सफल होगा जब शिक्षक अपनी भूमिका को समझेंगे और केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि जीवन की दिशा दिखाने वाले बनेंगे। वे दीपक की तरह स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश दें। उनके व्यक्तित्व में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, करुणा और सेवा का भाव झलके। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम न पढ़ाए, बल्कि जीवन पढ़ाए। एक विचारक ने कहा है-ह्लशिक्षक वह नहीं है जो तुम्हें तथ्यों का ज्ञान कराए, बल्कि वह है जो तुम्हें सोचने के लिए प्रेरित करे। इसके लिये केवल शिक्षा-क्रांति ही नहीं, बल्कि शिक्षक-क्रांति अपेक्षित है।

आज आवश्यकता है कि शिक्षक बच्चों के हृदय को छूने वाले बने, वे केवल करियर बनाने की चिंता न करें, बल्कि चरित्र बनाने का प्रयास करें। शिक्षा रोजगारपरक ही नहीं, जीवनपरक हो। यदि दुनिया में शांति चाहिए, यदि आतंकवाद, हिंसा और युद्ध को समाप्त करना है तो हमें शिक्षा की दिशा बदलनी होगी। शांति और अहिंसा के बीज बचपन में बोने होंगे। अयुद्ध की स्थितियां केवल समझौते से नहीं, बल्कि संस्कार से पैदा होती हैं। शिक्षा को संस्कार की धारा बनना होगा। नए युग की शिक्षा व्यवस्था को यह संकल्प लेना होगा कि वह ऐसे मनुष्य तैयार करेगी जो भौतिक समृद्धि में ही नहीं, आध्यात्मिक ऊंचाई में भी आगे हों। जो हथियार न बनाएँ, बल्कि हाथों में करुणा और सहयोग का दीपक थामें। जो दूसरों के शोषण पर नहीं, बल्कि साझा सुख पर विश्वास करें।

विश्व शिक्षक दिवस हमें यह याद दिलाता है कि शिक्षा केवल शिक्षकों और छात्रों की बात नहीं है, यह समूची मानवता का प्रश्न है। शिक्षा को यदि हम सही दिशा देंगे तो यह दुनिया स्वर्ग बन सकती है। यदि गलत दिशा देंगे तो यह नर्क में बदल सकती है। आज आवश्यकता है एक वैश्विक शिक्षा-आंदोलन के साथ-साथ शिक्षक-आन्दोलन की, जिसमें हर राष्ट्र, हर समाज और हर व्यक्ति की भागीदारी हो। नई शिक्षा व्यवस्था वही होगी जो युद्ध की संस्कृति को बदलकर शांति की संस्कृति स्थापित करे, हिंसा की प्रवृत्तियों को बदलकर अहिंसा की चेतना जगाए, और स्वार्थ की जगह सहयोग को जीवन का मूल मंत्र बनाए। यही शिक्षा का सच्चा उत्सव होगा, यही शिक्षक दिवस का वास्तविक संदेश।

क्या पाकिस्तान पीओके में कश्मीरियों को गुलाम बनाकर रखना चाहता है?

अशोक भाटिया

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हिंसक झड़पें जारी हैं। क्षेत्र में सुधार और सार्वजनिक सुविधाओं की मांग को लेकर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएसी) की ओर से बुलाई गई हड़ताल के दौरान तीन पुलिसकर्मियों सहित कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। इनमें अधिकतर मौतें पुलिस और सेना की फायरिंग में हुई हैं। पाकिस्तान सरकार द्वारा 38 प्रमुख मांगों को पूरा न करने पर शुरू हुआ यह विरोध प्रदर्शन सेना की ज्यादतियों के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन में बदल गया है, जिससे यह इलाका थम-सा गया है।पाकिस्तानी दैनिक द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार हड़ताल के कारण पीओके में व्यापार और अन्य गतिविधियां बंद रहीं और क्षेत्र में संचार व्यवस्था बाधित रही। धीर कोट और पीओके के अन्य हिस्सों में हिंसा की घटनाएं हुईं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि झड़पों में 172 पुलिसकर्मी और 50 नागरिक घायल हुए।

आजादी की मांग कर रहे लोगों पर पाकिस्तानी फौज ने अंधाधुंध फायरिंग की, सड़कों पर लाशें ही लाशें बिछी हुई दिखाई दीं। आप तस्वीरें देखेंगे तो कलेजा मुंह को आ जाएगा। आसिम मुनीर की फौज ने पी ओ के की पुलिस को भी नहीं बख्शा। कई पुलिस वालों को भी गोलियों से उड़ा दिया। फौज को शक है कि पुलिस के जवान पी ओ के की आवाम का साथ दे रहे हैं। हालांकि फौज की गोलियां, लाशों के ढेर, खून की नदियां पी ओ के की जनता को डरा नहीं पाईं। उल्टा हुआ, विरोध की चिंगारी शोलों में बदल गईं। इस वक्त भी मुजफ्फराबाद और मीरपुर जैसे शहरों में हजारों लोग सड़कों पर नारे लगा रहे हैं, शहबाज शरीफ की सरकार सदमे में है। घबराकर शहबाज शरीफ ने प्रदर्शनकारियों से बात करने के लिए एक टीम को मुजफ्फराबाद भेजा लेकिन इंकलाब के नारे लगाने वाले अब इंतकाम चाहते हैं। वो पाकिस्तान की हुकूमत से बात नहीं करना चाहते, आजादी चाहते हैं।

शहबाज शरीफ की हुकूमत ने प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग के ऑर्डर दिए, लेकिन पी ओ के की लोकल पुलिस ने लोकल लोगों पर गोलियां बरसाने से इंकार कर दिया। इसलिए इस्लामाबाद से काउंटर टेररिज्म यूनिट के एक हजार हथियारबंद जवान मुजफ्फराबाद भेजे गए। पाकिस्तान रेंजर्स और आर्मी को पी ओ के में चल रही आजादी की जंग को कुचलने के लिए भेजा गया है। सरकार का हुक्म है कि प्रदर्शनकारियों को किसी भी कीमत पर मुज़फ़्फ़राबाद पहुंचने से रोका जाए।

पाकिस्तानी फौज की हैवानियत दुनिया के सामने न आए, पी ओ के में लगी आग और ज्यादा न भड़के, इसलिए पाकिस्तान सरकार ने पी ओ के में इंटरनेट बैन कर दिया और मीडिया रिपोर्टिंग पर पाबंदी लगा दी है। लोगों का कहना है कि वो पिछले 78 बरस से पाकिस्तान के जुल्म झेल रहे हैं लेकिन अब इंतहा हो गई। अब शहबाज शरीफ की हुकूमत और मुनीर की फौज को अपने गुनाहों का हिसाब देना होगा।

वैसे तो पाकिस्तान के मीडिया ने पी ओ के के खून-खराबे को सेंसर कर दिया है लेकिन वहां के कुछ आजाद पत्रकार पी ओ के की खबरें बाकी दुनिया तक पहुंचा रहे हैं। ऐसे ही एक पत्रकार इमरान रियाज ने बताया कि पी ओ के में रेंजर्स और पुलिस की फायरिंग में बड़ी तादाद में लोग मारे गए हैं लेकिन शहबाज सरकार और मुनीर की फौज ये आंकड़ा छुपा रही है। पी ओ के की जनता अब पाकिस्तान से निजात पाने पर एलान कर चुकी है। निहत्थे लोगों पर फायरिंग के बाद भड़के हुए लोग पाकिस्तान की पुलिस पर अपना गुस्सा निकाल रहे हैं। कोटली, मीरपुर, और ददियाल में पब्लिक ने पुलिस की कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। बाघ कस्बे में भी रेंजर्स और पाकिस्तानी फौज के जवान अवाम के गुस्से का निशाना बने।

पाकिस्तान की हुकूमत बातचीत की दावत दे रही हैं लेकिन इस ऑफर में कितना खोट है, इसका सबूत इस्लामाबाद से आया। इस्लामाबाद प्रेस क्लब में एक प्रोटेस्ट मीटिंग बुलाई गई थी। इस मीटिंग में पी ओ के के कुछ लोग शामिल होने वाले थे और पत्रकारों को भी कवरेज के लिए बुलाया गया था लेकिन मीटिंग शुरू होते ही इस्लामाबाद पुलिस की टीम पहुंची और उसने वकीलों और पत्रकारों को बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रेस क्लब के भीतर घुसकर लोगों को पकड़-पकड़कर पीटा। प्रेस क्लब के कैफेटेरिया में तोड़-फोड़ की। पुलिस के जवान वहां से प्रोटेस्टर्स को उठा ले गए।

इस्लामाबाद में पत्रकारों की पिटाई की तस्वीरों को तो पाकिस्तान की हुकूमत रोक नहीं पाई लेकिन पी ओ के की सड़कों पर बिछी लाशों की जो तस्वीरें मैंने आपको गुरुवार रात अपने शो ह्लआज की बातह्व में दिखाई। वो हमने बड़ी मुश्किल से हासिल की हैं। पाकिस्तान की हुकूमत की पूरी कोशिश है कि पाकिस्तानी फौज की गोलियों की गूंज किसी को सुनाई न दे, बेगुनाह लोगों की मौत किसी को दिखाई न दे, पी ओ के में मीडिया के जाने पर पाबंदी है, इंटरनेट पर बैन लगा दिया गया है। पहले अवाम को रोकने के लिए कंटेनर्स लगाए गए, फिर बेहिसाब गोलियां बरसाईं गईं लेकिन लाशों का अंबार भी अवाम को रोकने में नाकाम रहा।

पी ओ के में लोकल मीडिया के लोगों ने जान पर खेलकर फौजी हैवानियत की तस्वीरें भेजी हैं। पाकिस्तान के मेनस्ट्रीम मीडिया से दिल दहलाने वाली ये तस्वीरें गायब हैं। पी ओ के के लोग पूछ रहे हैं कि कहां हैं वो लोग जो मोमबत्तियां जलाते थे? कहां हैं वो लोग जो इंसानियत के पैरोकार बनते थे? वेस्टर्न मीडिया को ये खून से सनी लाशें दिखाई क्यों नहीं देतीं? मुझे लगता है कि पी ओ के की आवाज को अब ज्यादा दिन दबाया नहीं जा सकेगा। बहुत जल्द शहबाज और मुनीर के जुल्म की तस्वीरें पूरी दुनिया देखेगी। दरअसल पाक के कब्जे वाले कश्मीर में नागरिक समस्याओं का अम्बार लगा हुआ है। यहां के लोगों को पर्याप्त रोजगार के अवसर तो सुलभ कराये जाते ही नहीं हैं साथ ही मूलभूत नागरिक सुविधाओं से भी वंचित रखा जाता है। बताया जाता है किपाकिस्तानी सेना और पुलिस आये दिन उन पर अत्याचार करती रहती है। यहां नामचारे के चुनाव कराये जाते हैं और चुन-चुन कर इस्लामाबाद अपने गुर्गों को पदों पर बैठाता रहता है। अतः अक्सर इस इलाके के लोग भारत के कश्मीर के लोगों की स्थिति से अपनी तुलना करते हैं तो उनमें भारी खिसियाहट पैदा होती है। क्योंकि भारत के कश्मीरी भारतीय संविधान के साये में खुली हवा में सांस लेते हैं और अपने नागरिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हैं। जबकि पाकिस्तान के कश्मीरियों के लिए लोकतान्त्रिक तरीके से अपनी मांगों का इजहार करना भी दुष्कर होता है। इनके द्वारा जब भी कोई आन्दोलन होता है तो उसे पुलिस व सेना द्वारा कुचल दिया जाता है और जेलें भर दी जाती हैं। अतः कभी-कभी हमें ये खबरें भी पढ़ने को मिल जाती हैं कि पाक अधिकृत कश्मीर या ह्यपी ओ केह्ल के लोगों ने भारत के समर्थन में नारे लगाये। पाकिस्तानी शासक अपने कब्जे वाले कश्मीर में मानवीय अधिकारों को जिस तरह अक्सर रौंदते हैं उसका मुकाबला केवल सैनिक शासन वाले देशों से ही हो सकता है जबकि पाकिस्तान में कहने को लोकतन्त्र है। ताजा हालात ये हैं कि पीओके में पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र की परिस्थितियों में सुधार व बेहतर सार्वजनिक सुविधाओं की मांग को लेकर इलाके की संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी हड़ताल या आन्दोलन कर रही है ।

अब तो इस आन्दोलन को समाप्त करने के लिए पाकिस्तानी शासकों ने सारी हदें पार कर डाली हैं और लोगों पर सरेआम पुलिस गोलियों की बौछार कराई जा रही है । आन्दोलन जब हिंसक हो गया तो तीन पुलिस वाले भी गुस्से का निशाना बने और हलाक हो गये। ये तो सरकारी आंकड़े हैं जबकि गैर सरकारी आंकड़े इससे बहुत ज्यादा बताये जा रहे हैं। एक्शन कमेटी के आह्वान पर पूरे इलाके में सभी तिजारती इदारे बन्द रहे और संचार व्यवस्था भी ठप्प रही। नागरिकों के सब्र का बांध जब टूटा तो गुलाम कश्मीर के कई शहरों में लोग हिंसा पर भी उतारू हो गये। हड़ताल इतनी सफल रही है कि मुजफ्फराबाद से लेकर धीरकोट, मीरपुर, पुंछ, नीलम, भीम्बरव पालन्दी तक में जनजीवन पूरी तरह अस्त- व्यस्त हो गया और सड़कें सूनी हो गईं। हालांकि पाकिस्तानी मीडिया बता रहा है कि एक्शन कमेटी के लोग हिंसक हो गये थे, खास कर धीरकोट में जहां तीन पुलिस कर्मियों को हलाक कर दिया गया। मगर पुलिस की बर्बरता तो गुलाम कश्मीर के लोग पिछले 76 सालों से सहते आ रहे हैं और अपने जन्नत जैसे इलाके को जहन्नुम में तब्दील होते देख रहे हैं। पाकिस्तानी शासकों ने इस इलाके में बसे गैर कश्मीरी भाषी कथित अभिजात्य वर्ग के लोगों को विशेष नागरिक अधिकार दे रखे हैं। स्थानीय सेवाओं में 12 प्रतिशत का आरक्षण उन लोगों को दे रखा है जो पाकिस्तान के दूसरे इलाकों से आकर घाटी में बसे हैं। एक्शन कमेटी मांग कर रही है कि इस आरक्षण को समाप्त किया जाये और इलाके के सभी लोगों को एक समान व मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाये। मुफ्त स्वास्थ्य सेवा भी हर नागरिक को उपलब्ध हो। ये मांगें पूरी तरह जायज हैं क्योंकि इलाके में किसी प्रकार का उद्योग झ धंधा है ही नहीं। इसके पीछे मंशा यही है कि पाकिस्तान कश्मीरियों को गुलाम बनाकर रखना चाहता है।

हरियाणा शिक्षक स्थानांतरण: नीति, प्रक्रिया और उलझन

-डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा में शिक्षक स्थानांतरण और पदस्थापन की प्रक्रिया वर्षों से विवादों और असंतोष का कारण रही है। शिक्षक और कर्मचारी यह महसूस करते हैं कि नीतियाँ जितनी स्पष्ट घोषणाओं में दिखाई देती हैं, उतनी ही वास्तविकता में जटिल और उलझी हुई हैं। यह मामला केवल कर्मचारियों के हित का नहीं है, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की पारदर्शिता, निष्पक्षता और गुणवत्ता से जुड़ा हुआ है।

जब वित्त विभाग से किसी पद की स्वीकृति मिल जाती है, तब भी कई बार स्थानांतरण प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब हो जाता है। ऐसा बजट संबंधी बाधाओं, दस्तावेजी प्रक्रियाओं या प्रशासनिक स्तर पर बार- बार अनुमोदन की अनावश्यकता के कारण होता है। इस विलंब से केवल प्रक्रिया धीमी नहीं होती, बल्कि नीति के उचित और समय पर पालन में बाधा आती है। कर्मचारी महीनों तक अनिश्चितता में रहते हैं, जिससे उनका मनोबल गिरता है और शिक्षा प्रणाली की दक्षता प्रभावित होती है। दंपत्ति मामलों में, जहाँ शिक्षक अपने जीवनसाथी के साथ पदस्थापन चाहते हैं, पहले से लंबित मामलों के बावजूद पुनः जांच और अनुमोदन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है। इससे कर्मचारी अनावश्यक असुविधा में पड़ते हैं और यह नीति की जटिलता को स्पष्ट करता है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि प्रशासन कई बार प्रक्रिया को ज3ानबूझकर लंबा खींचता है।

स्थानांतरण रोकने वाले पक्षों की बात करें, तो इसमें कई स्तर शामिल हैं। लंबे समय से किसी स्थान पर तैनात कर्मचारी अपने स्थान से हटना नहीं चाहते। संघ और संगठन अपने सदस्यों के हित की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करते हैं। इसके अलावा, प्रशासन भी अनुभवी कर्मचारियों को संवेदनशील पदों पर लंबे समय तक बनाए रखना पसंद करता है। इन सभी कारकों के कारण स्थानांतरण प्रक्रिया अक्सर संतुलित और निष्पक्ष नहीं होती। शिक्षा मंत्री ने प्रेस में कहा था कि मध्य-अवधि स्थानांतरण लागू होंगे, लेकिन वास्तविकता में इसका कोई प्रभाव नजर नहीं आता। यह विरोधाभास कर्मचारियों में भ्रम और असंतोष पैदा करता है। घोषणाओं और वास्तविक कार्यान्वयन के बीच यह अंतर यह संदेश देता है कि केवल बयानों से नीति लागू नहीं होती। अन्य विभागों में ऑनलाइन स्थानांतरण प्रणाली सहज रूप से लागू हो रही है, जबकि शिक्षा विभाग में यह प्रक्रिया धीमी और जटिल बनी हुई है। इसका कारण केवल तकनीकी कठिनाई नहीं है। प्रशासनिक प्रतिरोध, पारंपरिक कार्य संस्कृति और स्थानीय अधिकारियों की प्राथमिकताएँ इसमें योगदान करती हैं। जब तक सभी पक्ष पारदर्शिता और समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित नहीं करेंगे, ऑनलाइन प्रणाली प्रभावी नहीं हो सकती। नई नियुक्तियों के समय पर्याप्त स्थान उपलब्ध होने के बावजूद स्थानांतरण में देरी होती है। इससे प्रश्न उठता है कि क्या कर्मचारियों को जानबूझकर दूर भेजा जा रहा है या कुछ को सुविधा दी जा रही है। आने वाले वर्ष में जनगणना के कारण स्थानांतरण न होने की संभावना इस प्रश्न को और गंभीर बना देती है। प्रत्यायोजन की प्रथा भी समस्या बनी हुई है। इसके तहत अपने कर्मचारियों को विशेष पदों या स्थानों पर समायोजित किया जाता है। यह न केवल पारदर्शिता और निष्पक्षता पर प्रश्न उठाता है, बल्कि पक्षपात और प्रशासनिक भेदभाव को भी बढ़ावा देता है। यदि समय रहते इसे रोका और सुधारात्मक कदम उठाए जाएँ, तो शिक्षक और विभाग दोनों को लाभ होगा।

> **फाइनेंस विभाग से अतिरिक्त भत्ते की मंजूरी होने के बावजूद फाइलों का बार-बार लंबित रहना कर्मचारियों में भ्रम पैदा करता है। दंपत्ति मामलों में पहले से चल रहे मामलों के बावजूद पुनः प्रक्रिया शुरू होना यह संकेत देता है कि नीति जानबूझकर जटिल बनाई जाती है, जिससे निर्णय बाधित हों। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मध्य-अवधि स्थानांतरण का कोई प्रभाव नहीं होगा, लेकिन जमीन पर इसका असर नहीं दिखाई देता। इन सभी कारणों से शिक्षक असंतोष में हैं और वे चाहते हैं कि स्थानांतरण प्रक्रिया स्पष्ट, समयबद्ध और निष्पक्ष हो, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता और संतुलन बनाए रखा जा सके। शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया था कि मध्य-अवधि स्थानांतरण का कोई प्रभाव नहीं होगा, लेकिन वास्तविकता में प्रशासन इसे अक्सर बहाना बनाने के तरीके के रूप में इस्तेमाल करता है। केवल पारदर्शी, समयबद्ध और निष्पक्ष प्रक्रिया ही शिक्षक और छात्रों के हित में स्थिरता और गुणवत्ता सुनिश्चित कर सकती है।**

इन सभी जटिलताओं के बावजूद शिक्षक समुदाय चाहता है कि नीति स्पष्ट, समयबद्ध और निष्पक्ष हो। केवल घोषणाओं और प्रेस विज्ञप्तियों से समाधान नहीं होगा। आवश्यकता है कि प्रशासन ऑनलाइन प्रणाली को प्रभावी बनाए, पक्षपात और व्यक्तिगत लाभ पर आधारित निर्णयों को रोके। शिक्षक और छात्र यह विश्वास रखें कि स्थानांतरण प्रक्रिया शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता और संतुलन बनाए रखने के लिए है, न कि किसी व्यक्तिगत लाभ के लिए। हरियाणा में शिक्षक स्थानांतरण नीति केवल जटिल और उलझी हुई नहीं है, बल्कि इसका कार्यान्वयन भी संतुलित और निष्पक्ष नहीं है। प्रशासनिक देरी, अनावश्यक अनुमोदन, पक्षपात और तकनीकी बाधाओं के कारण शिक्षक असंतोष में हैं। इसके परिणामस्वरूप शिक्षा प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

सरकार को चाहिए कि वह स्पष्ट नियमावली और नीति लागू करे, समयबद्ध और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करे, ऑनलाइन प्रणाली को प्रभावी बनाए, और पक्षपात तथा व्यक्तिगत लाभ पर आधारित निर्णयों को रोके। तभी शिक्षक अपने कार्य में संतुष्ट रह पाएँगे और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। अन्यथा यह प्रक्रिया केवल विवाद, असंतोष और भ्रम का स्रोत बनी रहेगी। हरियाणा सरकार के सामने यह चुनौती है कि वह शिक्षक स्थानांतरण प्रक्रिया में स्थिरता, न्याय और पारदर्शिता सुनिश्चित करे। तभी शिक्षा प्रणाली का वास्तविक उद्देश्य गुणवत्ता, संतुलन और विद्यार्थियों के हित झ पूरा हो सकेगा।

हरियाणा में शिक्षक स्थानांतरण नीति केवल जटिल और उलझी हुई नहीं है, बल्कि इसका कार्यान्वयन भी संतुलित और निष्पक्ष नहीं है। वित्त विभाग से अनुमोदन मिलने के बावजूद विलंब, दंपत्ति मामलों में पुनः प्रक्रिया, और प्रत्यायोजन के माध्यम से पक्षपात जैसी समस्याएँ लगातार बनी हुई हैं। शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया था कि मध्य-अवधि स्थानांतरण का कोई प्रभाव नहीं होगा, लेकिन वास्तविकता में प्रशासन इसे अक्सर बहाना बनाने के तरीके के रूप में इस्तेमाल करता है। केवल पारदर्शी, समयबद्ध और निष्पक्ष प्रक्रिया ही शिक्षक और छात्रों के हित में स्थिरता और गुणवत्ता सुनिश्चित कर सकती है।

तरनतारन उपचुनाव में कट्टरपंथी और धर्मनिरपेक्ष दलों के बीच मुकाबला होगा!

पंजाब में तरनतारन विधानसभा उपचुनाव की घोषणा कभी भी हो सकती है। हालांकि, इसी जिले की एक और सीट खडूर साहिब से विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा के दोषी ठहराए जाने के कारण यह सीट रिक्त होने की संभावना है लेकिन उनके हाईकोर्ट जाने के कारण निकट भविष्य में इस सीट पर चुनाव होने की संभावना नहीं है। इसलिए, सभी राजनीतिक दलों ने अपने-अपने तरीके से तरनतारन सीट के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। तरनतारन निर्वाचन क्षेत्र को पंथक निर्वाचन क्षेत्र के रूप में जाना जाता है और यहां से पंथक उम्मीदवार कई बार जीत चुके हैं।

अगर शुरूआत 1997 के चुनावों से करें तो इन चुनावों में शिरोमणि अकाली दल के प्रेम सिंह लालपुरा ने जीत हासिल की थी और बाद में 2002, 2007 और 2012 में शिरोमणि अकाली दल के हरमीत सिंह संधू ने लगातार इस विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीता। हालांकि, 2017 के चुनावों में अकाली-भाजपा सरकार के कामकाज से नाखुश मतदाताओं ने अकाली और भाजपा को नकार दिया और कांग्रेस के धर्मबीर अग्निहोत्री को चुना और 2022 में आम आदमी पार्टी के कश्मीर सिंह ने इस विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल की। इस प्रकार, 6 चुनावों में से अकाली दल ने 4 बार चुनाव जीतकर एक रिकॉर्ड बनाया। आम आदमी पार्टी के विधायक कश्मीर सिंह सोहल के निधन से खाली हुई इस सीट पर जल्द ही दोबारा चुनाव होने वाले हैं। सभी राजनीतिक दल इस चुनाव को जीतकर 2027 के आम विधानसभा चुनाव के लिए अगली सरकार बनाने के दावेदार के रूप में खुद को पेश करने की तैयारी में हैं। सभी दल मजबूत उम्मीदवार उतारने की कोशिश में हैं। इसी रणनीति के तहत कई पार्टियों, विशेषकर अकाली दल ने प्रिंसिपल बीबी सुखविंदर कौर रंधावा को अपना उम्मीदवार बनाया है क्योंकि बीबी सुखविंदर कौर पहले से ही इस हलके में एक स्वतंत्र ग्रुप बनाकर राजनीतिक गतिविधियां चला रही थीं और उन्हें इस हलके की 40 से अधिक पंचायतों, 8 पार्षदों और कई पूर्व सरपंचों व चेयरमैनों का समर्थन प्राप्त था और उन्हें उम्मीदवार घोषित करते समय इन सभी पदाधिकारियों व कार्यकत्ताओं ने अपने स्वतंत्र ग्रुप को भंग करके अकाली दल में शामिल होने की घोषणा की थी, जिसके चलते अकाली दल बादल इस हलके में अपने आप को मजबूत स्थिति में मान रहा है।

भारतीय जनता पार्टी ने भी अपने उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। भाजपा ने तरनतारन जिले के मौजूदा अध्यक्ष हरजीत सिंह संधू को उम्मीदवार घोषित किया है। संधू पहले अकाली दल के नेता थे और कई पदों पर काम कर चुके हैं। वह एक बड़े किसान हैं और भट्ठी उद्योग भी चलाते हैं। पार्टी का मानना है कि वह भाजपा के वोटों के साथ-साथ अकाली दल के वोट भी हासिल करने में कामयाब होंगे। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने अभी तक अपने उम्मीदवार की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। हालांकि,पार्टी ने अकाली दल से 3 बार विधायक रहे हरमीत सिंह संधू को पार्टी में शामिल कर लिया है। आप पार्टी का मानना है कि अगर हरमीत सिंह संधू को उम्मीदवार बनाया जाता है तो वह अकाली दल के वोटों में भी सेंध लगा सकते हैं। पार्टी ने उन्हें पहले ही विधानसभा क्षेत्र प्रभारी का कार्यभार सौंप दिया है। इसलिए, उम्मीद की जा रही है कि आम आदमी पार्टी हरमीत सिंह संधू को ही अपना उम्मीदवार बनाएगी।

पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस इस सीट पर तीसरे स्थान पर रही थी, इसलिए इस बार उसे एक मजबूत उम्मीदवार की तलाश थी और वह देविंदर सिंह को अपना उम्मीदवार बना सकती है।

थलसेना, वायुसेना प्रमुख के बयान शब्दों का खेल नहीं, भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक हैं

भारतीय सेना और वायुसेना प्रमुख के ताजा बयानों ने पाकिस्तान और उसके आकाओं को स्पष्ट संकेत दे दिया है– भारत अब पुराने संयम और धैर्य के खोल में कैद रहने वाला देश नहीं रहा। ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया है कि नई दिल्ली के पास न केवल निर्णायक सैन्य क्षमता है, बल्कि उसे इस्तेमाल करने का संकल्प भी है। यही संकल्प हमारे सेनाध्यक्ष और वायुसेना प्रमुख की वाणी में गूंजता दिखाई देता है। सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने राजस्थान के अनूपगढ़ मोर्चे से पाकिस्तान को दो-टूक चेतावनी दी कि अगर राज्य प्रायोजित आतंकवाद जारी रहा तो इस्लामाबाद को विश्व मानचित्र पर अपनी जगह पर पुनर्विचार करना होगा। यह बयान महज शब्दों का खेल नहीं, बल्कि उस भारत का प्रतिबिंब है जो अपने सैनिकों और नागरिकों पर हमले का जवाब चुपचाप सहन करने को अब तैयार नहीं। देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर के अनुभव ने भारत की रणनीति को और तेज कर दिया है। सेना प्रमुख ने साफ कहा कि पिछली बार दिखाया गया संयम अब नहीं दोहराया जाएगा। संदेश सीधा है– भारत अब अपनी रक्षा नहीं, बल्कि दुश्मन की आक्रामकता को जड़ से मिटाने की रणनीति अपनाएगा। सैनिकों को लगातार सतर्क रहने और पूरी तरह तैयार रहने का आदेश भी यही दिखाता है कि सीमा पार हर हरकत का जवाब अब उसी भाषा में मिलेगा। दूसरी ओर, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पाकिस्तान की मनोरंजनक कहानियों को खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। F-16 और JF-17 जैसे लड़ाकू विमानों, विशेष मिशन विमानों और महत्वपूर्ण एयरबेस को भारतीय हमलों ने तबाह कर दिया। 300 किलोमीटर से अधिक दूरी पर S-400 द्वारा मार गिराया गया दुश्मन का विशेष विमान भारत की तकनीकी श्रेष्ठता का साक्षात प्रमाण है। देखा जाये तो पाकिस्तान के लिए यह संदेश जितना गहरा है, उतना ही अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के लिए भी स्पष्ट है। विश्व ने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को न केवल स्वीकार किया है बल्कि खुले तौर पर समर्थन भी किया है। यह वही वैश्विक माहौल है जिसने भारतीय नेतृत्व को और निर्भीक बना दिया है। आज भारत का आत्मविश्वास केवल हथियारों की नोक पर नहीं, बल्कि नैतिक बल और सामरिक स्पष्टता पर टिका है। आतंकवाद को मिटाने का भारत का अधिकार अब विवाद का विषय नहीं रहा। सवाल सिर्फ यह है कि पाकिस्तान कब तक झूठ और इंकार की आड़ में अपनी नाकामियों को छिपाता रहेगा। इतिहास गवाह है कि 1965 और 1971 के युद्धों में आम नागरिकों ने भी सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाया था। सेनाध्यक्ष ने उस परंपरा को याद दिलाकर साफ कर दिया है कि आने वाली जंग, अगर पाकिस्तान ने विवेक नहीं दिखाया, तो केवल सेनाओं की नहीं होगी, यह राष्ट्र की सामूहिक चेतना और सामर्थ्य की जंग होगी।

देखा जाये तो आज भारतीय सेना और वायुसेना न केवल तकनीकी आधुनिकीकरण, बल्कि रणनीतिक सोच में भी नए युग में प्रवेश कर चुकी हैं। ड्रोन से लेकर मिसाइल डिफेंस तक, हर स्तर पर भारत की तैयारी यह बताती है कि दुश्मन की हर चाल का जवाब कहीं अधिक ताकतवर और घातक होगा। पाकिस्तान को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत बदल चुका है। यह नया भारत संयम और प्रतीक्षा का नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई का प्रतीक है। और जब कोई राष्ट्र अपने सैनिकों, तकनीक और नैतिक बल–तीनों में इतना आत्मविश्वासी हो जाए, तो उसे रोकना असंभव हो जाता है। पाकिस्तान चाहे जितनी कहानियाँ सुनाए, सच्चाई यही है कि भारत अब न केवल तैयार है, बल्कि हर आक्रामकता का हिसाब लेने को तत्पर भी है।

समाजसेवी राजेश मिश्रा द्वारा आयोजित मानस पाठ में शामिल हुए गणमान्य

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर के प्रख्यात समाजसेवी तथा भाजपा नेता राजेश मिश्रा के गोल्डन नेस्ट, भायंदर पूर्व स्थित आवास पर आयोजित श्री रामचरितमानस पाठ में शहर के तमाम जाने-माने लोग शामिल हुए। राजेश मिश्रा तथा उनके पूरे परिवार ने आगंतुकों का स्वागत किया। मानस पाठ के उपरांत महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ो लोग शामिल हुए। मानस पाठ में शामिल होने वाले प्रमुख गणमान्य लोगों में विधायक नरेंद्र मेहता, वरिष्ठ समाजसेवी रत्नाकर मिश्रा, वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट डीके पांडे, समाजसेवी हरिशंकर दुबे, उत्तर भारतीय मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष सुरेश सिंह, राधेश्याम मिश्रा, रमेश मिश्रा, नगरसेवक मनोज रामनारायण दुबे, नगरसेवक दरोगा पांडे, नगरसेवक विजय राय, सुशील दुबे, स्कूल प्रबंधक राजेश मिश्रा, नवीन कुमार सिंह, भाजपा प्रवक्ता शैलेश पांडे, सुरेश दुबे, कमलेश दुबे, महेंद्र पांडे, भाजपा नेता महेश म्हात्रे, संदीप तिवारी, नगरसेविका स्नेहा पांडे, ओम प्रकाश सिंह, राजेश मिश्रा (एमटीएनएल), डीडी त्रिपाठी, रवि शर्मा, एडवोकेट प्रमथेस शुक्ला, अनिल शेट्टी, एडवोकेट आर आर शुक्ला, राजकुमार दुबे समेत अनेक लोगों का समावेश रहा।

एका मोबिलिटी ने मुंबई में खोली नई ऑल-रेंज व्हीकल डीलरशिप, शहर में बढ़ाया अपना दायरा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रमुख इलेक्ट्रिक वाहन और टेक्नोलॉजी कंपनी एका मोबिलिटी ने मुंबई में अपनी नई डीलरशिप का उद्घाटन किया। यह डीलरशिप राजास राइड के साथ साझेदारी में खोली गई है। एका का नया शोरूम एनएच 48, वसई (पूर्व), परमार इंडस्ट्रियल एस्टेट के पास, पालघर जिले में खुला है। यह ऑल-रेंज डीलरशिप है, यानी यहां पैसेंजर और कमर्शियल ई-वाहनों की पूरी रेंज ग्राहक देख और खरीद सकते हैं। मुंबई के आस-पास होने के कारण यह सूरत, अहमदाबाद और प्रमुख व्यापारिक इलाकों से आसानी से जुड़ा है, इसलिए यह ग्राहकों और व्यवसायों के लिए एक सुविधाजनक जगह है।

यह डीलरशिप एक पूरी तरह से 3र सुविधा (सेल्स, सर्विस और स्पेयर पार्ट्स) के रूप में बनाई गई है। यानी ग्राहक यहां ई-वाहन खरीद सकते हैं, उसे देख-समझ सकते हैं, एक्सपर्ट से सलाह ले सकते हैं, और साथ ही गाड़ी की सर्विस और असली स्पेयर पार्ट्स भी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। 6,000 स्क्वायर फीट में फैली इस डीलरशिप में भारत की सबसे बड़ी रेंज के इलेक्ट्रिक कमर्शियल व्हीकल्स प्रदर्शित किए गए हैं, जिसमें इलेक्ट्रिक बसें, ट्रक और छोटे वाणिज्यिक वाहन (एससीवीसी) शामिल हैं। लॉन्च के बारे में, एका मोबिलिटी के बिजनेस हेड और चीफ ग्रोथ ऑफिसर, रोहित श्रीवास्तव ने कहा, मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी है, जहां परिवहन न केवल व्यापार बल्कि रोजमर्रा की ज़िंदगी को भी चलाता है। राजास मोटर्स के साथ साझेदारी करके, हम इस महत्वपूर्ण इकोसिस्टम को स्वच्छ, कुशल और भविष्य के लिए तैयार मोबिलिटी की ओर ले जाने में सक्षम बना रहे हैं। एका में हमारा मानना है कि स्थिरता और लाभ साथ-साथ चल सकते हैं - और हमारी इलेक्ट्रिक गाड़ियां दिखाती हैं कि व्यवसाय लागत कम करते हुए भी पर्यावरण के अनुकूल भविष्य बना सकते हैं।

महाराष्ट्र खादी भंडार में मनी महात्मा गांधी जयंती, ग्राहकों के लिए विशेष छूट की घोषणा

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर स्थित ओसवाल अंपायर, गणेश मंदिर के सामने महाराष्ट्र खादी भंडार की ओर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती बड़े उत्साह व श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मान्यवरों की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग से मंगेश पागधरे व सखाराम राठौड़ सहित अनेक मान्यवर उपस्थित रहे।

इस दौरान बिहार जन सेवा संस्था के प्रमुख एवं महाराष्ट्र खादी भंडार के संचालक बबन कुमार सिंह ने गांधी जयंती के उपलक्ष्य में ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर की घोषणा की। उन्होंने बताया कि खादी वस्त्रों पर 20 से 25 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी, जो आगामी दीपावली तक जारी रहेगी। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से अपील की कि वे खादी वस्त्रों को अपनाकर गांधीजी के स्वदेशी संदेश को आगे बढ़ाएँ और इस विशेष छूट का लाभ उठाएं।

पालघर जिले के आठ गांवों को मिला सुंदर गांव पुरस्कार, कुरगांव ने जीता 50 लाख रुपए का ईनाम

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। ग्रामीण विकास विभाग की ओर से संचालित आर.आर. (आबा) पाटील सुंदर गांव पुरस्कार योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए पालघर जिले के आठ गांवों का चयन सुंदर गांव पुरस्कार हेतु किया गया है। इनमें पालघर तहसील का कुरगांव पूरे जिले में सुंदर गांव के रूप में चुना गया, जिसे कुल 50 लाख रुपये का पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

शनिवार 4 अक्टूबर को मुख्यमंत्री के 150 दिवसीय कार्यक्रमोंतर्गत आयोजित रोजगार मेले व सेवा पखवाड़ा समापन समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य के वनमंत्री तथा पालघर के पालकमंत्री गणेश नाईक ने की। उनके हाथों कुरगांव ग्रामपंचायत को जिलास्तरीय 40 लाख तथा तहसीलस्तरीय 10 लाख, इस प्रकार कुल 50 लाख रुपये का सम्मान दिया गया। इस अवसर पर सांसद डॉ. हेमंत सवरा, विधायक राजेंद्र गावित, जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख, निवासी उपजिलाधिकारी सुभाष भागडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे सहित अनेक मान्यवर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्रामपंचायत) अशोक पाटील, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सा.प्र.वि.) इजाज अहमद शरिकमसलत, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी सचिन कवठे, मनरेगा अधिकारी अतुल पारसकर, जिला

कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर समेत जिला परिषद के अनेक अधिकारी-कर्मचारी भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। तहसील स्तरीय चयनित गांव (प्रत्येक को 10 लाख रुपये का पुरस्कार): जिनमें 1. पालघर तहसील में कुरगांव, 2. तलासरी तहसील में आमगांव-आच्छाड, 3. वाडा तहसील में हमरापुर, 4. विक्रमगड तहसील में वसुरी, 5. मोखाडा तहसील में खोडाला, 6. वसई तहसील में खानिवडे, 7. जव्हार तहसील में झाप, 8. डहाणू तहसील में घोलवड ग्राम पंचायत को पुरस्कार प्राप्त हुआ। पालकमंत्री गणेश नाईक ने सभी चयनित ग्राम पंचायतों को बधाई देते हुए कहा कि इस पुरस्कार से ग्रामविकास में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहन मिलेगा। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, शाश्वत विकास और जनसहभागिता को नई दिशा मिलेगी। साथ ही पुरस्कार प्राप्त गांव जिले के अन्य गांवों के लिए प्रेरणादायी आदर्श सिद्ध होंगे।

राजहंस ग्रुप द्वारा 'वेल प्लेड' इवेंट का आयोजन

मुंबई। रियल एस्टेट और लाइफस्टाइल बिजनेस के क्षेत्र में प्रतिष्ठित राजहंस ग्रुप ने हाल ही में अपने सुपर-लक्जरी विला प्रोजेक्ट, राजहंस इवाना में एक ऐतिहासिक 'वेल प्लेड' इवेंट का आयोजन किया। इस समारोह में इस भव्य प्रोजेक्ट से जुड़े क्रिकेट दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने विशेष रूप से शिरकत की। उन्होंने खोपोली के राजहंस इवाना में 300 से अधिक विशेष अतिथियों की उपस्थिति में अपने द्वारा परिकल्पित सिग्नेचर विला का अनावरण किया। राजहंस इवाना वास्तव में अत्यंत सटीकता और सावधानी के साथ तैयार किया गया एक एनक्लेव है, जो खोपोली के इमेजिका के पास एक शांत स्थान पर निर्मित है। यह प्रोजेक्ट रमणीय प्रकृति के बीच शानदार और वैभवपूर्ण जीवनशैली का प्रतीक है।

सचिन तेंदुलकर द्वारा स्वयं परिकल्पित यह प्रोजेक्ट राजहंस इवाना में रहने वाले प्रत्येक परिवार के सदस्य के जीवन को समृद्ध बनाने के लिए डिजाइन की गई 70 से अधिक क्यूरेटेड लक्जरी लाइफस्टाइल सुविधाओं से युक्त है, जो वास्तव में मनमोहक अनुभव प्रदान करता है। इस समारोह के दौरान सचिन तेंदुलकर ने 100 में से पहले 10 विला मालिकों को प्रतिष्ठित इवाना सेंचुरियन अवॉर्ड से सम्मानित किया, जो प्रतीकात्मक रूप से उनके प्रतिष्ठित जर्सी नंबर के अनुरूप एक भावांजलि थी।

बिंद समाज विकास संघ द्वारा निःशुल्क नोटबुक वितरण 12 अक्टूबर को

मुंबई (उत्तरशक्ति)। संघ के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सरोज कुमार केवट ने बताया कि12 अक्टूबर 2025 रविवार को बिंद समाज विकास संघ द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी संघ के वार्षिक सम्मेलन में निःशुल्क नोटबुक वितरण का आयोजन, झवेर बेन पोपटलाल ऑडिटोरियम सभागृह हॉल राष्ट्रीय शाला कंपाउंड के समीप साईबाबा नगर, पंतनगर घाटकोपर ईस्ट मुंबई में आयोजित किया गया है। जिसमें लगभग 500 छात्र छात्राओं को नोटबुक पेन, पेंसिल व रबर कुशल एवं होनहार छात्र छात्राओं को शिक्षा से संबंधित सामग्रियों से पुरस्कृत किया जाएगा। मुंबई से लेकर उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार अन्य प्रदेशों से विद्यार्थियों के भविष्य को उज्जवल बनाने हेतु, प्रवक्ताओं की उपस्थिति होगी, संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ शेषधर बिंद ने स्वजातिय बंधुओ से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं एवं विद्यार्थियों के भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए अपने विचारों और दिशा निदेशों से छात्र-छात्राओं को नई ऊर्जा और नई रोशनी से ओत प्रोत करें।

स्नेहा दुबे ने आत्मनिर्भर भारत संकल्प यात्रा कार्यशाला का किया मार्गदर्शन

वसई (उत्तरशक्ति)। प्राथमिक शिक्षक पटपेढ़ी हॉल, प्रांतीय कार्यालय के पास, चिपलून ज़िला रत्नागिरी में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान कार्यशाला में स्वदेशी लोगों का सामूहिक संकल्प।

रत्नागिरी दक्षिण ज़िला और रत्नागिरी उत्तर ज़िला द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान कार्यशाला में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने हिस्सा लिया और प्राथमिक शिक्षक पटपेढ़ी हॉल, प्रांतीय कार्यालय के पास, चिपलून ज़िला रत्नागिरी में बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुई। इस कार्यशाला में दोनों ज़िलों के पदाधिकारियों, मंडल संयोजकों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। हर घर स्वदेशी-हर घर स्वदेशी के नारे के अनुरूप, कार्यशाला में सभी ने आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान करने

और इस संदेश को हर गाँव और घर तक पहुँचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर ठाणे-कोंकण मंडल संयोजक अभिजीत पेडणेकर, भाजपा रत्नागिरी दक्षिण जिला अध्यक्ष राजेश सावंत, भाजपा रत्नागिरी उत्तर जिला अध्यक्ष सतीश मोरे, चिपलून विधानसभा नेता प्रशांत यादव, जिला महासचिव अमित केतकर, वसंत ताम्हणकर, चंद्रकांत मांडवकर, नीलेश सुर्वे, अक्षय फाटक, श्रीमती प्रणाली सावरदेकर, महिला मोर्चा प्रदेश सचिव श्रीमती शिल्पा मराठे, युवा मोर्चा दक्षिण जिला अध्यक्ष मंदार खंडकर, उत्तर जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष संकल्प अवरे, दक्षिण रत्नागिरी महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती वर्षा ढेकाणे, उत्तर रत्नागिरी महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जावकर, साथ ही जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल पदाधिकारी, सोशल मीडिया समन्वयक और आत्मनिर्भर भारत अभियान के जिला और मंडल समन्वयक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को जन-जन तक पहुंचाने में यह कार्यशाला प्रेरणादायक साबित हुई।

गिरगांव चौपाटी पर अखिल भारतीय विजयदशमी विराट कवि सम्मेलन संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जनता की पुकार द्वारा आयोजित ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत श्री रामलीला महोत्सव के समापन पर राज्याभिषेक के अवसर पर गिरगांव चौपाटी, सिंदूर नगर में भव्य विराट कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ।

मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की संयोजिका के रूप में डॉ मंजू मंगलप्रभात लोढ़ा ने भी अपनी विशिष्ट उपस्थिति से मंच को आलोकित किया। डॉ मंजू लोढ़ा ने इस अवसर पर अपनी एक भावमुक्ता रचना सुनायी जिससे श्रोताओं ने खूब सहारा। काव्य मंच संचालन श्री शशिकांत यादव

(देवास) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध कवियों में पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी (गाजियाबाद), विनीत चौहान (अलवर), जानी बैरागी (राजोद), श्रीमती श्रद्धा शौर्या (नागपुर), अतुल ज्वाला (इंदौर) ने अपनी प्रभावशाली और देशभक्ति से परिपूर्ण कविताओं से वातावरण को भावनात्मक और प्रेरणादायक बना दिया। इस अवसर पर डॉ. सत्यनारायण काबरा, राजेन्द्र अग्रवाल, माधव प्रसाद अग्रवाल, विजय केडिया, सुरेश खंडेलिया, सुभाष केडिया और अन्य प्रतिष्ठित हस्तियाँ उपस्थिति रहीं। कार्यक्रम में एकल श्रीहरि रथ का लोकार्पण भी हुआ। यह कवि सम्मेलन साहित्य, संस्कृति और देशप्रेम का एक प्रेरणादायक संगम बना।

पालकमंत्री गणेश नाईक के हाथों अनुकंपा नियुक्ति आदेश वितरित

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर की ओर से शनिवार 4 अक्टूबर को अनुकंपा आधार पर नियुक्ति आदेश वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम लोकशाहीर आत्माराम पाटील सभागृह, नियोजन भवन, जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य के वनमंत्री तथा पालघर जिला के पालकमंत्री गणेश नाईक ने प्रातिनिधिक रूप से जिला परिषद के 6 लाभार्थियों को नियुक्ति आदेश प्रदान किए। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के 150 दिवसीय कृती कार्यक्रमांतर्गत आयोजित रोजगार मेलावा व सेवा पंधरवड़ा समारोप समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया। जिला परिषद पालघर में अनुकंपा आधार

पर कुल 130 लाभार्थियों को नियुक्ति दी गई है, जिनमें क वर्ग के 11 तथा ड वर्ग के 119 लाभार्थी शामिल हैं। इससे पहले 3 अक्टूबर को जननायक बिरसा मुंडा सभागृह, जिला परिषद पालघर में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे तथा उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीकमसलत की उपस्थित में सभी पात्र लाभार्थियों का समुपदेशन किया गया था।

इस कार्यक्रम में सांसद डॉ. हेमंत सवरा, विधायक राजेंद्र गावित, जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, निवासी उपजिलाधिकारी सुभाष भागडे, पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे समेत अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हमारे भविष्य की सुरक्षा: मेनिन्जाइटिस की रोकथाम की तात्कालिकता

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मेनिन्जाइटिस, जिसे ब्रेन फीवर भी कहा जाता है, एक गंभीर लेकिन टीके से रोकी जा सकने वाली बीमारी है। यह विशेष रूप से बच्चों के लिए बड़ी स्वास्थ्य चिंता का विषय है। विश्व मेनिन्जाइटिस दिवसः 5 अक्टूबर का उद्देश्य इस बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसे समाप्त करने के लिए वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देना है, ताकि समय पर पहचान और टीकाकरण के माध्यम से जीवन बचाया जा सके। हर साल विश्वभर में 25 लाख से अधिक मामले दर्ज किए जाते हैं। यह एक गंभीर स्वास्थ्य संकट है, क्योंकि इस बीमारी से मरने वालों में लगभग 70% पाँच साल से कम उम्र के बच्चे होते हैं।

मेनिन्जाइटिस या ब्रेन फीवर मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को ढकने वाली झिल्लियों (मेनिन्जेस) की सूजन है। यह प्रायः बैक्टीरिया, फंगस या वायरस से होने वाले संक्रमण के कारण होती है। लक्षण कारण, बीमारी के प्रकार (तीव्र, उप-तीव्र या जीर्ण), मस्तिष्क की संलिप्तता (मेनिंगो-एन्सेफलाइटिस) और अन्य

जटिलताओं (जैसे सेप्सिस) पर निर्भर करते हैं। आम लक्षणों में गर्दन में अकड़न, बुखार, मानसिक स्थिति में भ्रम या बदलाव, सिरदर्द, मतली और उल्टी शामिल हैं। कम सामान्य लक्षणों में दौरे पड़ना, कोमा और तंत्रिका संबंधी समस्याएँ (जैसे सुनने या देखने की क्षमता का नुकसान, स्मृति या सोचने की क्षमता पर असर, या अंगों में कमजोरी) शामिल हो सकते हैं।

भारत मेनिन्जाइटिस से होने वाली मौतों की संख्या के मामले में शीर्ष तीन देशों में शामिल है। तीव्र जीवाणुजनित मेनिन्जाइटिस पैदा करने वाले तीन मुख्य रोगाणुओं में से नाइसेरिया मेनिन्जाइटिडिस का मृत्यु दर सबसे अधिक है—इलाज के बावजूद लगभग 15% और बिना इलाज के 50% तक। अध्ययनों से यह भी पता चला है कि दो वर्ष से कम आयु के भारतीय बच्चों में नाइसेरिया मेनिन्जाइटिडिस के मामलों में वृद्धि हो रही है। डॉ. प्रणव संघवी, कंसल्टेंट पीडियाट्रिशियन, अरहम क्लिनिक, मुलुंड और कडल्स एन क्योर चिल्ड्रन हॉस्पिटल, मुलुंड, मुंबई ने कहा माता-पिता अक्सर यह नहीं समझ पाते कि मेनिन्जाइटिस कितनी तेजी से बढ़ सकता है। सुबह का हल्का बुखार शाम तक दौरे, भ्रम या कोमा जैसी आपात स्थिति में बदल सकता है। कई बार बेहतरीन इलाज भी समय रहते नुकसान को पलट नहीं पाता। इसलिए टीकाकरण की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है—यह बीमारी से पहले ही सुरक्षा प्रदान करता है और परिवार को गंभीर संकट से बचाता है। मेनिन्जाइटिस के मामले में रोकथाम ही वास्तव में एकमात्र प्रभावी उपाय है। इस घातक बीमारी से लड़ने के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स मेनिन्जोकॉकल वैक्सीन की सिफारिश करती है।

ZEE5 पर मराठी फिल्म स्थळ का वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर 10 अक्टूबर को

ठाणे (उत्तरशक्ति)। इस साल की शानदार फेस्टिवल यात्रा और सफल थियेट्रिकल रिलीज के बाद, ZEE5 गर्व के साथ यह घोषणा करता है कि बहुचर्चित मराठी फिल्म स्थळ का वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर 10 अक्टूबर 2025 को होगा।

जयंत दिगंबर सोमालकर के निर्देशन और धुन के प्रोडक्शन में बनी स्थळ को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में व्यापक पहचान और सम्मान मिला है। इस फिल्म ने टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2023 में NETPAC अवॉर्ड फॉर बेस्ट एशिया पैसिफिक फिल्म, पुणे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 में सर्वश्रेष्ठ मराठी फिल्म और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, तथा लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल 2024 में ऑडियंस फिल्म अवॉर्ड जीता। इसके अलावा इसने इंडो-जर्मन फिल्म वीक 2024 में ऑडियंस चॉइस अवॉर्ड और बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर, इंडियन फिल्म फेस्टिवल स्टटगार्ट 2024 में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, और जाफना इंटरनेशनल सिनेमा फेस्टिवल 2024 में सर्वश्रेष्ठ डेब्यू फिल्म सहित कई

अन्य पुरस्कार भी हासिल किए।

एक मार्मिक कमिंग-ऑफ-एज सामाजिक ड्रामा, स्थळ ग्रामीण महाराष्ट्र में स्थापित है और 16 वर्षीय सविता की कहानी कहता है, जिसकी ज़िंदगी पितृसत्तात्मक अपेक्षाओं और पारंपरिक शादी की गहरी जड़ें जमा चुकी परंपराओं से प्रभावित होती है। जब वह मॅचिंग सेरेमनी यानी स्थळ से गुजरती है, तो उसे धीरे-धीरे अहसास होता है कि कैसे उसकी व्यक्तिगतता, सपने और आत्मसम्मान समाज की रीति-रिवाजों के आगे दबा दिए जाते हैं। सविता की नजर से, स्थळ लिंग असमानता, सामाजिक पक्षपात और परंपरा के नाम पर महिलाओं के वस्तुकरण की कठोर सच्चाई को उजागर करता है। फिल्म की सच्ची और ईमानदार कहानी यह दर्शाती है कि ऐसे सामाजिक-सांस्कृतिक माहौल में युवतियों के पास अपनी ज़िंदगी पर कितना कम नियंत्रण और स्वतंत्रता होती है।

पूरी फिल्म निर्देशक के अपने मूल गाँव, महाराष्ट्र के चंद्रपुर ज़िले के डोंगरगांव में शूट की गई है। फिल्म में ज्यादातर नए कलाकारों और स्थानीय अभिनेताओं ने काम किया है, जिनमें सविता की भूमिका में नंदिनी चिकटे, उसके भाई के रूप में सुयोग धवस, और माता-पिता के किरदार में तरनाथ खिरातकर और संगीता सोनेकर शामिल हैं। अपनी गहन कहानी कहने की शैली, सटीक अभिनय और पितृसत्ता पर तीखी टिप्पणी के लिए सराही गई स्थळ अब 10 अक्टूबर को ZEE5 पर अपने वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है। निर्देशक जयंत दिगंबर सोमलकर ने कहा, स्थल मेरे लिए बेहद निजी फिल्म है। यह उसी गाँव में बनी है जहाँ मैं बड़ा हुआ और जिन कहानियों को मैंने करीब से देखा, उनसे प्रेरित है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

छत के रास्ते घर में घुसा किशोर धराया

खेतासराय पुलिस ने तीन शोहदों को भेजा चालान

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय कस्बे में बीती रात एक किशोर छत के रास्ते घर में घुस गया। घरवालों की आहट पाकर नींद खुली तो परिजनों ने तत्परता दिखाते हुए उसे दबोच लिया। इसके बाद परिवारजनों ने उसकी जमकर धुनाई की और बाद में मोहल्लेवालों की मौजूदगी में उसे पुलिस के हवाले कर दिया। मामला शुक्रवार की रात लगभग 11 बजे का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, कस्बे के मोहल्ले में रहने वाले परिवार के लोग जब घर के अंदर सो रहे थे, तभी अचानक छत पर आवाज सुनाई दी। संदेह होने पर परिवारजनों ने छत पर जाकर देखा तो एक किशोर घर के अन्दर उतरने का प्रयास कर रहा था। पकड़ लिए जाने पर वह भागने की कोशिश करने लगा, किंतु परिजनों ने और आस-पड़ोस के लोगों की मदद से उसे पकड़ लिया। पूछताछ में अपना नाम शुभम प्रजापति बताया। सूचना मिलते ही खेतासराय थाने की पुलिस मौके पर पहुँची और किशोर को अपने साथ थाने ले आई। पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है। परिवार की ओर से थाने में लिखित प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की गई है। थाना प्रभारी रामाश्रय राय ने बताया शुभम प्रजापति पुत्र उदयराज प्रजापति निवासी कस्बा गोलाबाजार के अलावा एंटी रोमियों के तहत अकरम पुत्र मोहम्मद खालिद निवासी मानीकलां, मनीष प्रजापति पुत्र अशोक प्रजापति निवासी ग्यासपुर नोनारी दबोच लिया गया। तीनों के विरुद्ध कार्यवाई करते हुए चालान भेज दिया गया।

सुशील कुमार शशि होंगे जौनपुर के नए जिला जज

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। दीवानी न्यायालय के जिला जज अनिल कुमार वर्मा का उन्नाव बतौर जिला जज स्थानांतरण हो गया है। यहां के नए जिला जज सुशील कुमार शशि होंगे। उनका स्थानांतरण कुशीनगर पडरौना से यहां हुआ है।वहां वह जिला जज थे। बिहार के निवासी सुशील कुमार शशि एचजेएस की परीक्षा 2013 में उत्तीर्ण कर बलिया में अपर जिला जज बने। 2017 में गोरखपुर के अपर जिला जज बने। 2020 में सिद्धार्थनगर में एमएसीटी के पीठासीन अधिकारी रहे। 2023 में कामर्शियल कोर्ट अयोध्या के पीओ रहे। 5 सितंबर 2024 को कुशीनगर पडरौना में जिला जज के रूप में नियुक्त हुए। 31 मई 2034 को सेवानिवृत्ति होंगे।

रात के अंधेरे में अज्ञात चोरों ने भैंस उड़ाई, गांव में फैली दहशत

मीरगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मीरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम चौकीखुर्द में पशु चोरी की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। ग्राम निवासी केशव प्रसाद गौतम पुत्र स्वर्गीय सुखदेव गौतम ने थानाध्यक्ष मीरगंज को दी गई तहरीर में बताया कि दिनांक 2 अक्टूबर 2025 की रात लगभग 3:40 बजे कुछ अज्ञात व्यक्ति एक पिकअप वाहन से आए और उनकी भैंस चोरी कर ले गए। पीड़ित ने बताया कि चोरी की घटना इतनी तेजी से हुई कि परिवार के लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही चोर वाहन समेत फरार हो गए। प्रार्थी द्वारा दी गई सूचना के आधार पर दिनांक 3/10/2025 को थाना मीरगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना से पूरे गांव में भय और आक्रोश का माहौल व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएँ बढ़ रही हैं, लेकिन रात्रि गश्त में कमी के कारण चोरों के हौसले बुलंद हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर चोरी गई भैंस को बरामद किया जाए, ताकि आमजन में सुरक्षा की भावना बहाल हो सके।

शनिवार को भारी बारिश के आसार, स्कूलों को लेकर डीएम का आया आदेश

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में मौसम विभाग ने 4 अक्टूबर शनिवार को जिले में भारी बारिश की आशंका जताई है। इसे देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर सभी कक्षा 1 से 8 तक के विद्यालयों में अवकाश घोषित किया गया है। आदेश के अनुसार यह नियम परिषदीय, मान्यता प्राप्त, अशासकीय, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड से जुड़े सभी स्कूलों पर लागू होगा। विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए सभी संस्थानों को ऑनलाइन माध्यम से कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। खंड शिक्षाधिकारियों को आदेश का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारी बारिश से जलभराव और अन्य समस्याओं की आशंका को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। अभिभावकों से भी अपील की गई है कि वे बच्चों को विद्यालय न भेजें और ऑनलाइन पढ़ाई में सहयोग करें।

मिर्जा अनवर बेग इंटर कॉलेज में वार्षिक पत्रिका प्रेरणा का विमोचन

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मिर्जा अनवर बेग इंटर कॉलेज में शनिवार को वार्षिक पत्रिका प्रेरणा का विमोचन समारोह धूमधाम से सम्पन्न हुआ। पत्रिका का लोकार्पण प्रबंधक अल्तमश बरलास एडवोकेट, एवं अब्दुल अजीज अंसारी पी.जी. कॉलेज की सचिव कहकशां खान ने संयुक्त रूप से किया। अल्तमश बरलास ने इस अवसर पर कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है। छात्र-छात्राओं द्वारा लिखित रचनाएँ उनकी कल्पनाशक्ति और सामाजिक जागरूकता का परिचायक हैं। उन्होंने पत्रिका में प्रकाशित कविताओं, लेखों और चुटकुलों की प्रशंसा करते हुए विद्यार्थियों को आगे भी सृजनात्मक कार्यों से जुड़े रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी विद्यार्थियों को पत्रिका की निःशुल्क प्रतियां वितरित की गईं, जिससे उनमें खासा उत्साह देखने को मिला।

इस अवसर पर सचिव मिर्जा अजफर बेग, प्राचार्य डॉ. एन.पी. उपाध्याय, प्रधानाचार्य प्रभात पाठक, प्रधानाचार्य नौशाद अहमद खान, नागेंद्र बहादुर सिंह, सतीश मिश्र, विमलेश चंद्र त्रिपाठी, संजय सिंह, प्रशांत कुमार, गौतम यादव, दानिश अहमद सिद्दीकी एवं मौलाना एजाज मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद अतहर ने किया।

ऐतिहासिक होगा संस्थापक डॉ.सोनेलाल पटेल का श्रद्धांजलि समारोहः पप्पू माली

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अपना दल एस पार्टी के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल की पुण्यतिथि पर मड़ियाहूं के रामलीला मैदान में 17 अक्टूबर को आयोजित होने वाले श्रद्धांजलि समारोह को लेकर पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस जौनपुर में शनिवार को समीक्षा बैठक हुई।

मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली एवं विधायक डॉ. आर के पटेल ने डॉ भीमराव आंबेडकर, पार्टी के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल और सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर शत- शत नमन किया। उन्होंने जिले के संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की और कार्यक्रम में पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई। राष्ट्रीय सचिव ने बताया कि इस श्रद्धांजलि समारोह में कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल होंगी। कहा कि श्रद्धांजलि सभा बहुत ही ऐतिहासिक साबित होगा। इसमें पार्टी के राष्ट्रीय स्तर तक के पदाधिकारी और कार्यकर्ता, मंत्री, सभी विधायक, एमएलसी समेत सदस्य जिला पंचायत एवं बूथ लेवल के कार्यकर्ता मौजूद होंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में करीब 20 से 25 हजार लोगों की की भीड़ जुटने की संभावना है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष शिव नायक पटेल, लाल बहादुर पटेल, उदय भान पटेल, अनिल जायसवाल, सुरेंद्रनाथ योगी, मानसिंह पटेल, हरिहर पटेल, शशांक श्रीवास्तव, शिव माली, इंजी. बृजमणि पटेल, संदीप पटेल, लालचंद पाल, सुशील सिंह, जयप्रकाश पटेल, बजरंगी पटेल, राज नारायण पटेल, संजय पटेल, सुषमा पटेल, सोमनाथ पटेल, कृष्णा सिंह, आराधना पटेल, भैया लाल पटेल, सूरज पटेल आदि लोग उपस्थित रहे।

खड़ंजे पर नाले का पानी जमा, ग्रामीण परेशान-प्रशासन बेखबर

दिनेश कुमार विश्वकर्मा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर तहसील क्षेत्र के ग्राम करियांव के गढ़ही मोहल्ला में नाले का पानी खड़ंजे पर जम जाने से ग्रामीणों का जीवन दूभर हो गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि अनुज जायसवाल एवं भूइधर मोदनवाल, मो असलम, मेहरून निशा के घर के पीछे खड़ंजे पर नाले का पानी लगातार भर रहा है। जिससे प्रदूषण और बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बगल में बनी नाली लंबे समय से जाम पड़ी है। लेकिन सफाईकर्मी कभी भी उसकी सफाई करने नहीं आते। शिकायतें बार-बार ग्रामप्रधान से करने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है।

स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि खड़ंजे पर पानी जमा होने का एक प्रमुख कारण खड़ंजे पे आ रहे कई घरों के टंकी का पानी जो अनियमित रूप से प्रतिदिन बहता रहता है जिसका अतिरिक्त पानी खड़ंजे पर बहता रहता है। यदि इस पानी की निकासी नाली में कराई जाए और नाली की नियमित सफाई हो तो समस्या का समाधान संभव है।

ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद न तो ग्रामसभा और न ही कोई अधिकारी इस गंभीर समस्या पर ध्यान दे रहा है। इस कारण क्षेत्रीय जनता आक्रोशित है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल नाली की सफाई कराकर पानी की निकासी की व्यवस्था की जाए ताकि खड़ंजे पर पानी जमा न हो।

नहजुल बलागा धार्मिक, नैतिक, और सामाजिक मुद्दों पर व्यवहारिक मार्गदर्शन प्रदान करता हैः मौलाना सै.सफदर हुसैन जैदी

स्व.सै अली शब्बर की बरसी पर हुई मजलिस

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। समाजसेवी स्वर्गीय सैय्यद अली शब्बर सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी की आठवीं बरसी पर एक मजलिस उनके निवास स्थान मुस्तफा हाउस मोहल्ला अजमेरी में हुई। मजलिस में सोजख्वानी सै आमिर मेहंदी कजगांवी ने अपने साथियों के साथ किया। मजलिस को सम्बोधित करते हुए धर्मगुरु मौलाना सैय्यद सफदर हुसैन जैदी ने कहा कि नहजुल बलागा नामक किताब हजरत इमाम अली अलैहिस्सलाम के भाषणों (खुत्बो) उपदेशों (हिकमतो) और पत्रों (मकतूबात) का एक संग्रह है, जो धार्मिक, नैतिक, और सामाजिक मुद्दों पर व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करता है। नहजुल बलागा का महत्व बहुत है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को अल्लाह के आदेशों का पालन करने, नैतिक और आध्यात्मिक उत्थान, न्यायपूर्ण शासन, और सामाजिक न्याय के लिए मार्गदर्शन करना है।

आगे मौलाना सफदर हुसैन ने कहा कि नहजुल बलागा मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान करता है, जैसे सत्य की ओर मार्गदर्शन करना, और दूसरों में दोष ढूंढने से बचना। इसमें शासकों के लिए जनहित और न्यायपूर्ण शासन के दिशानिर्देश शामिल हैं, जिसमें जनता के अधिकारों का पालन करना और समाज के गरीब वर्गों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करना शामिल है। इमाम अली अलैहिस्सलाम का जीवन अत्याचार का विरोध करने और उत्पीड़ितों की सहायता करने का प्रतीक है, और नहजुल बलागा इस भावना को दशार्ता है। और मनुष्य को बुरी आदतों को छोड़ने और अपने विश्वास तथा ज्ञान व बुद्धि का प्रसार को बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि पवित्र कुरआन के बाद नहजुल बलागा सबसे महत्वपूर्ण किताब मानी जाती है। मरहूम के बड़े पुत्र सै मोहम्मद मुस्तफा ने आयें हुए लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर सै हैदर हुसैन, कैफी मोहम्मदाबादी, हसन मुस्तफा, वजीह आब्दी, नजमुल हसन, रेयाज, हुसैन अहमद, मोहम्मद अब्बास दानिश, अनवारुल हसन, हाजी ताहिर खान, असद हैदर, मुफ्ती आबिश, ऐमन मिन्टो, अहमद अब्बास, तालिब जौनपुरी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मूट कोर्ट विद्यार्थियों के व्यावहारिक प्रशिक्षण की रीढ़: गौतम बघेल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान द्वारा शनिवार को एक ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया गया। इसमें विधि विभाग के सभी शिक्षकगण ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

सत्र में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता गौतम बघेल ने ह्लविधि विभाग में मूट कोर्ट संचालन के लिए सुझावह्व विषय पर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि मूट कोर्ट विधि छात्रों के व्यावहारिक प्रशिक्षण की रीढ़ है और इसके माध्यम से छात्र न्यायालयीन वातावरण का वास्तविक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। श्री बघेल ने यह भी बताया कि मूट कोर्ट के माध्यम से छात्रों में तर्कशक्ति, प्रस्तुति क्षमता, कानूनी विश्लेषण और न्यायिक सोच का विकास होता है।

उन्होंने विभाग के शिक्षकों को सुझाव दिया कि मूट कोर्ट की कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने के लिए छात्रों को नियमित अभ्यास सत्र और केस स्टडी आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध कराना चाहिए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए वास्तविक मामलों पर आधारित व्यावहारिक अनुभव देने की भी आवश्यकता बताई।

विभागाध्यक्ष एवं निदेशक प्रो. विनोद कुमार ने वरिष्ठ अधिवक्ता श्री गौतम बघेल के मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सत्र छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजन तिवारी ने किया।

इस अवसर पर निदेशक प्रो. विनोद कुमार, डॉ. अनुराग मिश्र, मंगला प्रसाद यादव, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. इंद्रजीत सिंह, श्रीप्रकाश यादव, डॉ. राहुल राय, डॉ. रजित राम सोनकर, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. राजन तिवारी, प्रगति सिंह एवं जीशान अली सहित सभी शिक्षकगण अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

चलती कार पर गिरा पेड़, कार क्षतिग्रस्त

पेड़ के वजन से कार के पीछे के दोनों टायर हुए ब्लास्ट

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। शनिवार की सुबह करीब दस बजे ब्लाक मुख्यालय के समीप बीजपुर-मुर्धवा मार्ग पर उस समय एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब चलती कार पर अचानक भारी-भरकम एक पेड़ गिर पड़ा। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और पेड़ के वजन से कार के पीछे के दोनों टायर ब्लास्ट हो गये। गनीमत रही कि कार में सवार अंकित अग्रहरि और प्रियांशु जायसवाल नामक युवक बाल-बाल बच गए।

मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवक किसी कार्य से रेणुकूट की ओर जा रहे थे। ब्लाक मुख्यालय के समीप रास्ते में अचानक तेज हवा के कारण सड़क किनारे खड़ा पेड़ अचानक कार पर गिर गया। पेड़ गिरने से कार का पिछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आनन-फानन में मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पेड़ को हटाने में मदद की और युवकों को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना से दोनों युवक काफी सहमे दिखाई दिए।

मीरगंज में पुलिस ने छेड़खानी करते युवक को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मीरगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव भिदूंना (सेनापुर) में पुलिस ने एक युवक को महिलाओं और लड़कियों से अश्लील हरकत करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना मीरगंज उप निरीक्षक शिवशंकर मिश्रा, का० अनिल कुमार सिंह, महिला सिपाही प्रीतिमा मौर्या और शक्ति मिशन टीम क्षेत्र में मामूली थाना गश्त के दौरान भिदूना छोटे दुर्गा मंदिर के पास पहुंचे, जहां एक युवक रास्ते से गुजरने वाली महिलाओं और लड़कियों के साथ अश्लील हरकतें कर रहा था। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन टीम ने तुरंत घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम राकी सरोस उर्फ नान्हू पुत्र रत्न सरोज, उम्र लगभग 20 वर्ष, निवासी गांव भिदूना (सेनापुर), थाना मीरगंज बताया। पुलिस ने मौके पर ही उसे गिरफ्तार कर लिया और आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए धारा 296 इठर के तहत अभियोग पंजीकृत किया। घटना दिनांक 1/10/2025 गिरफ्तारी का समय लगभग 2:15 बजे बताया गया है। पुलिस ने आरोपी को थाना लाकर आवश्यक पूछताछ की और मानवाधिकार आयोग के निदेर्शों के अनुसार संपूर्ण प्रक्रिया का पालन किया। बताया गया कि युवक के कृत्य से स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त था और महिलाएं भयभीत थीं। पुलिस ने आरोपी को मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करने की तैयारी कर ली है। इस कार्रवाई में थाना मीरगंज की पुलिस टीम–ऊनि. शिव शंकर मिश्रा, का० अनिल सिंह, महिला सिपाही प्रीति मौर्या–सक्रिय रूप से शामिल रही।

जनसमस्याओं को लेकर उत्तरशक्ति न्यूज पहुंचा मंत्री गिरीश चन्द्र यादव के पास

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के निकट हुमा मस्जिद, हुमा कॉलोनी, मोहल्ला मुफ्ती वार्ड नम्बर 35 कॉलोनी कि समस्या लेकर आज उत्तर शक्ति हिन्दी दैनिक के सह सम्पादक डॉ. इम्तियाज अहमद सिद्दीकी ने राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव को एक ज्ञापन देकर अवगत कराया। बताया गया कि दस वर्ष पूर्व इंटरलॉकिंग हुई थी। सीवर लाइन का काम होने के कारण बहुत ही इंटरलॉकिंग जर्जर हो गई जिसके कारण आने जाने वाले नमाजियों वह कॉलोनी वासियों को काफी समस्या हो रही हैं, आए दिन स्कूल बच्चे गिरकर चोटिल होते रहते है। इसी सम्बन्ध मे शनिवार को मंत्री गिरीश चंद्र यादव को ज्ञापन देकर अवगत कराया गया। मंत्री ने तुरंत विभाग को आदेशित कर आश्वासन दिया कि जल्दी ही समस्या का निस्तारण कर दिया जायेगा।

इसी हुमा कॉलोनी में उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक व मदर टेरेसा फाउंडेशन व भारत प्रेस क्लब एवं एक्स प्रेस न्यूज प्रिंट मीडिया एजेन्सी का कार्यालय है। अब यह देखना है कब तक इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाता है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कांशीराम सामुदायिक भवन में सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कांशीराम सामुदायिक भवन में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा गम्भीरता पूर्वकसुनवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाए, तभी सम्पूर्ण समाधान दिवस की सार्थकता सिद्व होगी। तहसील सदर के नेवादा निवासी बाबूराम व अन्य ने चकमार्ग की पैमाइस के लिए प्रार्थना पत्र दिया जिस पर जिलाधिकारी के द्वारा एसीओ सदर प्रथम को नियमानुसार सीमांकन कराकर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गए।

लखौवा निवासी सितारा देवी ने विपक्षीगणों के द्वारा निर्माण कार्य में बाधा पहुंचाने के सम्बन्ध में प्रार्थन पत्र दिया जिस पर जिलाधिकारी के द्वारा उपजिलाधिकारी सदर को नियमानुसार प्रकरण के निस्तारण के निर्देश दिये गये। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर अधिकांश शिकायतें राजस्व विभाग से प्राप्त हुयी। जिलाधिकारी ने राजस्व के विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन के मंशानुरूप राजस्व वादों का त्वरित निस्तारण किया जाए।

इस दौरान जिलाधिकारी के समक्ष कुल 81 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें 08 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, उपजिलाधिकारी संतवीर सिंह क्षेत्राधिकारीगण देवेश सिंह, परमान्द कुशवाहा, तहसीलदार सौरभ कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 राम अक्षयवर चौहान की अध्यक्षता में तहसील केराकत के सभागार में संपूर्ण समाधान का आयोजन किया गया। इसी क्रम में समस्त तहसीलों में संपूर्ण समाधान का आयोजन किया गया।

स्वच्छता पखवाड़े का हुआ समापन, गांधी-शास्त्री जयंती धूमधाम से मनाई गई

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पिपरी नगर पंचायत स्थित रिहंद जल विद्युत परियोजना के डिवीजन कार्यालय में गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 156 वा और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 121 वा जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर स्वच्छता पखवाड़े के समापन समारोह का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उप जिला अधिकारी दुद्धी निखिल यादव तथा परियोजना के उपमहाप्रबंधक सुरेश चंद्र बुनकर ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया। इस मौके पर सीआईएसएफ बैरियर के पास परियोजना में निष्प्रयोग सामग्री का उपयोग कर विज्ञान एवं जल विद्युत उत्पादन को दशार्ती आकृतियों का उद्घाटन किया गया। समापन समारोह में स्वच्छता पखवाड़े के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेकेदारों को सम्मानित किया गया। साथ ही गांधी और शास्त्री जी के जीवन प्रसंगों पर आधारित लघु वृत्तचित्र भी प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। सहायक अभियंता राममिलन सिंह ने अपनी प्रस्तुति हे ईश्वर, हे दाता,से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया, वहीं मोहम्मद रिजवान ने अजब दुनिया तितलियों की गीत प्रस्तुत किया। सहायक अभियंता पीयूष ने गांधी जी के आदर्श जीवन पर विचार रखे। विशिष्ट अतिथि मस्तराम मिश्रा ने लाल बहादुर शास्त्री की सादगी, ईमानदारी और ह्लजय जवान जय किसानह्व के नारे की आज के दौर में प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। सिंचाई विभाग की सहायक अभियंता रिशू गौतम ने गांधी और शास्त्री जी के जीवन के प्रेरक प्रसंगों को आत्मसात करने की आवश्यकता बताई। मुख्य अतिथि एसडीएम निखिल यादव ने गांधी जी के ह्लसादा जीवन उच्च विचारह्व के संदेश को अपने जीवन और कार्यस्थल पर उतारने का आह्वान किया। उपमहाप्रबंधक सुरेश चंद्र बुनकर ने गांधी जी के आदर्श सत्य, निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी को आज के समय में बेहद जरूरी बताया। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर असीम सिंह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन इंजीनियर अरविंद कुमार ने दिया। इस अवसर पर ई. शशिकांत राय, ई. अभिनाश सिंह, ई. आशीष गुप्ता,इंजी श्याम प्रवेश वर्मा .ई प्रशांत तिवारी एवं प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, राजीव कुमार, विशाल सिंह, सुरेंद्र पटेल, इंदु यादव, आकांक्षा, सुनील यादव समेत बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। इसी दौरान दूधी साहू समाज कल्याण समिति के तत्वाधान में 2 अक्टूबर को ग्राम खजूरी के सरस्वती शिक्षा निकेतन परिसर में गुरुवार को आयोजित की गई कार्यक्रम का मुख्य अतिथि साहित्य संगम एकेडमी वाराणसी के अध्यक्ष राम जी गुप्ता उर्फ (धीरज) व साहू समाज अध्यक्ष लक्ष्मी शंकर साहू मुख्य अतिथि मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मौके पर वास्त पति साहू,गुलाब दास साहू,चंद्रिका प्रसाद साहू,रामकुमार गुप्ता,गोपाल गुप्ता,राजेंद्र साहू,हरिहर साहू,डोमन राम साहू,नंदलाल गुप्ता, डॉक्टर अखिलेश गुप्ता,रामकुमार साहू,राकेश गुप्ता,प्रवीण गुप्ता,चंदन गुप्ता,अवधेश गुप्ता,अरुण साहू,उपस्थित रहे।

भाजपा में नए सदस्य हुए शामिल

वसई रोड। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के कार्यालय में प्रथमेश वनमाली, जितेश अमीन, उत्पला अमीन के साथ-साथ प्रफुल्ल वनमाली, मिलिंद पंडित, डॉ. आशीष पंडित, तेजा कांबले, स्नेहा पेटकर, दिलीप भट्टाचार्य, निखिल वालिंजकर, पेशेवर, उद्यमी, कलाकार और समाज के विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर भाजपा परिवार में नई ऊर्जा और शक्ति का संचार किया है। कला, व्यवसाय, शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, रेल सेवा, किराना व्यापारी, डॉक्टर, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट और युवा जैसे सभी क्षेत्रों के लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं। इससे यह प्रतीत हो ता कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचार है - जो सभी क्षेत्रों के लोगों को आकर्षित करता है। नई पीढ़ी का उत्साह, नए विचार और जनसेवा का संकल्प ही हमारी ताकत है उसवक्त भाजपा ज्येष्ठ नेता शेखर धुरी,वसई मंडल अध्यक्ष महेश सरवनकर, छोटू आनंद उपस्थित थे।

वसई एवरशाइन सिटी में बारिश के बीच माता जी का गरबा उत्सव मनाया

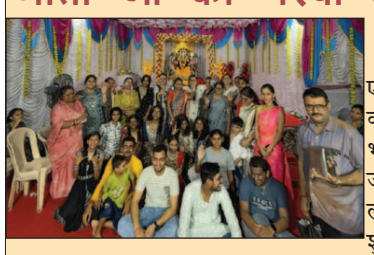

-मयूर सोनी

वसई। वसई पूर्व एवरशाइन सिटी ईस्ट हडसन को-ऑपरेटिव सोसायटी में भारी बारिश के बावजूद माता जी के गरबा का उत्साह देखने लायक रहा। रविवार देर शाम शुरू हुए इस आयोजन में तेज बरसात के बीच भी लोगों का जोश कम नहीं हुआ। भक्तों ने भक्ति भाव से माता रानी की आराधना करते हुए गरबा खेला। बरसते पानी में भी बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। आयोजन स्थल पर बारिश की बूंदों के साथ गरबे की ताल ने वातावरण को और भी दिव्य बना दिया। स्थानीय नागरिकों का कहना था कि बरसात हो या धूप, माता जी के गरबे का आनंद और उत्साह हमेशा बना रहता है।

महाराष्ट्र के बाढ़ पीड़ितों को संतोष आरएन सिंह की मदद,मुख्यमंत्री सहायता कोष में दिए 51 लाख रुपए

मुंबई। महाराष्ट्र में आई भीषण बाढ़ के चलते प्रभावित लोगों की मदद के लिए उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष तथा बॉम्बे इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष व मुख्य प्रबंध निदेशक संतोष आरएन सिंह ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में 51 लाख रुपए का धनादेश दिया है। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के सहायतार्थ बॉम्बे इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी इंडिया लिमिटेड का चेक मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सुपुर्द किया।

एसबीआई म्यूचुअल फंड ने नवरात्रि पर निवेशक जागरुकता अभियान चलाया

पटना (उत्तरशक्ति)। नवरात्रि के पावन अवसर पर एसबीआई म्यूचुअल फंड ने निवेशक शिक्षा एवं जागरुकता के लिए एक विशेष पहल की है। ह्लएसआईपी के तीर से वित्तीय अनुशासनहीनता के 10 सिरों को हराएंह्व शीर्षक से शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य लोगों को बेहतर वित्तीय अनुशासन अपनाने और सुरक्षित भविष्य बनाने के लिए प्रेरित करना है। अभियान में समझाया गया कि जैसे रावण के दस सिर बुराइयों के प्रतीक थे, उसी तरह आम जिंदगी में वित्तीय अनुशासन की कमी भी दस प्रमुख समस्याओं के रूप में सामने आती है। इनमें निवेश में टालमटोल, आपातकालीन फंड का अभाव, आवेगपूर्ण खर्च, बजट न बनाना, कर्ज का जाल, अल्पकालिक सोच, महंगाई की अनदेखी, कर अक्षमता, एक ही संपत्ति वर्ग पर निर्भरता और बिना लक्ष्य निवेश करना शामिल है। ये दसों सिर किसी भी व्यक्ति की वित्तीय सेहत को कमजोर कर सकते हैं। एसबीआई म्यूचुअल फंड का मानना है कि इन सभी बुराइयों से निपटने के लिए सबसे कारगर साधन है सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी)। नियमित और अनुशासित निवेश से न केवल कंपाउंडिंग का लाभ मिलता है बल्कि महंगाई से लड़ते हुए दीर्घकालिक लक्ष्यों जैसे शिक्षा, रिटायरमेंट या घर बनाने की योजना को भी पूरा किया जा सकता है। अभियान में निवेशकों को संदेश दिया गया कि छोटी राशि से शुरू कर भी एसआईपी के जरिए एक मजबूत निवेश कोष बनाया जा सकता है। आय बढ़ने पर एसआईपी राशि को बढ़ाते रहना और निवेश को लंबी अवधि तक जारी रखना निवेशकों के लिए सबसे फायदेमंद साबित हो सकता है।

विसर्जन के जुलूस में घुसी अनियंत्रित कार, आधा दर्जन श्रद्धालु घायल

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। मऊआइमा थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार को दुर्गा पूजा विसर्जन के जुलूस में ब्लॉक चौराहे के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने जुलूस में चल रहे बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद कार ने विसर्जन के जुलूस में पैदल चल रहे लोगों को भी टक्कर मार दी। हादसे में आधा दर्जन लोग घायल हो गए। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई।

डीसीपी गंगानगर जोन कुलदीप सिंह गुनावत के मुताबिक हादसे में बाइक सवार लाल मोहम्मद के पैर में फ्रैक्चर हो गया है। उसे अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। जबकि जुलूस में शामिल पांच अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं। घायलों में तीन युवतियां शामिल हैं। तीनों घायल युवतियों संजना, पूजा और ललिता का इलाज मेडिकल कॉलेज के एसआरएन अस्पताल में किया जा रहा है। एक युवती के पैर में फ्रैक्चर है। जबकि दो को मामूली चोटें आई हैं। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है।

एडमिशन शुरू, जेईई व नीट की कक्षाएं जनवरी 2026 से प्रारंभ

दरभंगा(उत्तरशक्ति)। कॅरियर सिटी कोटा के प्रमुख एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट ने बिहार की राजधानी पटना में अपनी स्थापना के सफलतम एक वर्ष पूरा करने के साथ ही राज्य के एक और प्रमुख शहर एवं मिथिलांचल के दरभंगा में सेवाओं के विस्तार की घोषणा की है। यह घोषणा शनिवार को आयोजित उद्घाटन समारोह में की गई। देश में मेडिकल व इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं के साथ-साथ साइंस ओलंपियाड की तैयारियों के लिए ख्याति प्राप्त कोटा के एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट की दरभंगा में शुरूआत से स्थानीय अभिभावकों व विद्यार्थियों में उत्साह है। एलन दरभंगा में वर्ष 2026-27 के नीट व जेईई के कोर्सेज के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। कक्षाएं जनवरी माह से शुरू होंगी। दरभंगा के होटल इवारा में आयोजित उद्घाटन समारोह में जोनल हेड एवं वाइस प्रेसिडेंट डॉ. विपिन योगी मुख्य अतिथि रहे। इसके साथ ही जेईई डिवीजन के जोनल हेड कपिल बिरथरे, नीट डिवीजन के जोनल हेड हेमंत योगी, जूनियर डिवीजन के जोनल हेड विशाल केजरीवाल, एलन पटना के सेंटर हेड चेतन शर्मा एवं एलन कोटा के एक्सपर्ट फैकल्टीज एवं अधिकारी मौजूद रहे। समारोह में स्टूडेंट्स व पेरेंट्स की मौजूदगी में पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. विपिन योगी ने बताया कि अब दरभंगा के स्टूडेंट्स को डॉक्टर व इंजीनियर बनने का सपना पूरा करने के लिए किसी दूसरे शहर जाने की जरूरत नहीं होगी। यहां की प्रतिभाओं को यहीं संबल मिलेगा और वो आगे बढ़ेंगे। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट पटना ने अपनी स्थापना के एक वर्ष के अध्यापन कार्य में नीट व जेईई परीक्षाओं में शानदार परिणाम दिए हैं। बिहार के सौ से ज्यादा विद्यार्थियों को आईआईटी सहित बिहार के मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन मिल चुका है। वर्तमान में 13 हजार से ज्यादा विद्यार्थी एलन पटना में अध्ययनरत हैं। एलन दरभंगा में कोटा जैसी श्रेष्ठ शिक्षा और श्रेष्ठ माहौल देकर विद्यार्थियों के कॅरियर को नई दिशा देगा।

तेज हवाओं और बादलों की गर्जना के साथ हुई 65 डिग्री बारिश

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज क्षेत्र में हवा पानी के साथ आसमन की तड़तड़ाहट ने लोगों में भय और दहशत का माहौल बना रखा है। बिजली की कड़क और आसमान को चीरती गर्जना ने लोगों की नींद हराम कर दी।कई लोगों का कहना है कि उन्होंने पिछले 30-40 सालों में इस तरह की बारिश नहीं देखी। देर रात से लेकर सुबह तक बारिश का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा था।

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक की सभी सड़कें बारिश के पानी से भर गई हैं। महाराजगंज मुख्य बाजार, आवासीय इलाकों और गांव की गलियों में जगह-जगह पानी जमा हो गया है। इससे आवागमन प्रभावित हो गया है। लोग मजबूरी में पानी से होकर गुजरने को विवश हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थिति बद्तर है। खेत-खलिहान से लेकर पक्की और कच्ची सड़क भी प्रभावित है।

लोग सामान सुरक्षित करने और अपने बच्चों, मवेशियों को संभालने में जुटे हैं। बिजली के खंभों, पेड़ों या खुले स्थानों के पास जाने से परहेज करने की सलाह दी गई है। लगातार बारिश से कई हिस्सों में जनजीवन प्रभावित है। महाराजगंज के एसडीओ अनीता सिन्हा और एसडीपीओ अमन कुमार ने अधीनस्थ अधिकारियों से पूरे स्थिति पर नजर रखने का निर्देश जारी किया है। बिजली की गर्जन से दहशतः वैसे तो 16 घंटे की बारिश में बिजली सप्लाई बंद थी,लेकिन तेज बारिश के साथ बादलों की गर्जना और बिजली की चमक ने भय का माहौल और गहरा दिया। लोग पूरी रात जागकर हालात पर नजर बनाए रहे। कई इलाकों में अफवाह फैल गई कि बिजली गिरने की आशंका है, हालांकि प्रशासन या बिजली विभाग की ओर से ऐसी कोई पुष्टि नहीं की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि तेज आवाज के साथ गड़गड़ाते बादलों और लगातार बिजली की चमक से ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो हर पल कोई बड़ा हादसा हो सकता है। बच्चों और बुजुर्गों में इस दहशत का असर और गहरा दिखाई दिया। कई बुजुर्गों ने बताया कि इस तरह की बारिश उन्होंने दशकों बाद देखी है। सामान्यतः मानसून के दौरान मूसलाधार बारिश होती है, लेकिन इतनी लंबी अवधि तक लगातार बारिश के साथ इतनी तेज गर्जना और बिजली की कड़क शायद ही कभी देखने को मिली हो।

मेला देखकर लौट रहे युवकों की अज्ञात वाहन से कुचलकर मौत

कौशांबी (उत्तरशक्ति)। दशहरा मेला देखकर घर वापस लौट रहे बाइक सवार युवकों को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे मौके पर ही दो युवकों की मौत हो गई। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। थरवई थाना क्षेत्र के मथुरा उर्फ पारनडीह, जगनापुर गांव निवासी सत्यम यादव (16) पुत्र दयाराम यादव अपने साथियों के साथ मेले में बिछुड़ गया। घर जाने के लिए अनुज भारतीया पुत्र सुभाष भारतीया (18) और रंजीत पुत्र राम बहादुर उर्फ लाहुरी (30) निवासी कटका थाना झूंसी से सहायता मांग कर उनकी बाइक पर बैठ गया। वह तीनों बुधवार की रात लगभग एक बजे बाबूगंज से दशहरा मेला देखकर अपने घर वापस लौट रहे थे। जैसे ही सरायइनायत थाना क्षेत्र के सहसों पुलिस चौकी अंतर्गत प्रयागराज फूलपुर मार्ग सहसों बाई पास पर इनायतपुर गांव के सामने पहुंचे थे कि किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। जिससे अनुज भारतीय और सत्यम यादव की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाइक पर सवार रंजीत गंभीर रूप से घायल हो गया।

ठाणे के वागले स्टेट में बच्चों का अनोखा भंडारा, 2000 भक्तों महाप्रसाद ग्रहण किया

आचार्य सूरजपाल यादव

ठाणे । ठाणे के वागले स्टेट में इस बार नवरात्रि उत्सव में छोटे-छोटे बच्चों ने अपनी श्रद्धा और साहस का परिचय देते हुए 2000 भक्तों के लिए भंडारा आयोजित किया। बतादें कि इस पुनीत कार्य के लिए बच्चों ने न केवल चंदा इकट्ठा किया बल्कि पूरे उत्साह और समर्पण के साथ भंडारे की व्यवस्था को भी संभाला। उनकी इस पहल ने न सिर्फ स्थानीय लोगों का दिल जीता बल्कि समाजसेवी महेंद्र सोडारी का भी ध्यान आकर्षित किया। ₹बिन पगारी, मोटा अधिकारी₹ की तर्ज पर मासूम बच्चों द्वारा बनाया गया नया संगठन ₹कालरात्रि मित्र मंडल₹ के अध्यक्ष १५ वर्षीय अनमोल सरोज ने बताया कि हमारे साथ बच्चों में अनुराग सरोज (१३), विशाल जैसवार (१६), प्रतीक चौहान (१२), आदित्य जैसवार (१४), अयूब जैसवार (१३), यश जोशी (१२), अंश प्रजापति (11), रुद चौहान (१२), अनुन जैसवार (८), अविनाश मौर्या, अर्णव सहानी, विराज गौरव, देव शर्मा आदि बच्चों ने मिलकर इस भंडारे का विचार बनाया और इसे साकार करने के लिए दिन-रात मेहनत की। अनमोल सरोज ने कहा कि हम चाहते थे कि नवरात्रि के इस पवित्र अवसर पर माता रानी के भक्तों की सेवा करें। हमने घर-घर जाकर चंदा इकट्ठा किया और सामूहिक प्रयास से भंडारे की तैयारी की। बच्चों की यह पहल देखकर हर कोई हैरान था कि इतनी कम उम्र में वे इतना बड़ा आयोजन कैसे कर पाए।

इस आयोजन की खबर जब समाजसेवी महेंद्र सोडारी तक पहुँची तो वे बच्चों के उत्साह और श्रद्धा से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने तुरंत ?10,000 का योगदान दिया। इसके साथ ही उन्होंने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि इस मौके पर किसी भी प्रकार की सहायता के लिए मैं सदैव खड़ा हूं, इन बच्चों ने साबित कर दिया कि उम्र कोई मायने नहीं रखती, जब दिल में श्रद्धा और सेवा का जज्बा हो। इनका यह प्रयास समाज के लिए एक मिसाल है।₹भंडारे में 2000 भक्तों ने प्रसाद के रूप में काबुली चनें की सब्जी, जीरा राईस, बुंदियाँ का प्रसाद ग्रहण किया।

बच्चों ने न केवल भोजन की व्यवस्था की बल्कि स्वच्छता और अनुशासन का भी विशेष ध्यान रखा। स्थानीय लोगों ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बताया और बच्चों की एकता और मेहनत की जमकर तारीफ की। यह आयोजन न केवल नवरात्रि के उत्सव को और भी खास बनाया बल्कि यह भी दिखाया कि छोटी उम्र में भी बड़े सपने और सेवा का जज्बा समाज में बदलाव ला सकता है। बच्चों का यह प्रयास निश्चित रूप से वागले स्टेट के लिए गर्व का विषय बन गया है।

संघ स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण होने पर किया पथ संचलन

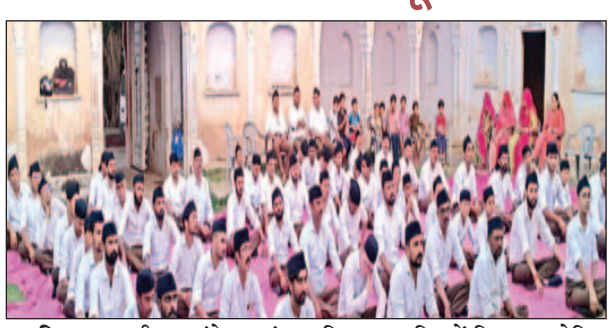

चिराना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण होने पर शनिवार को चिराना के मांगीलालजी की धर्मशाला में पथ संचलन व शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। आरएसएस संघ स्थापना के 100 वर्ष पुरे होने के उपलक्ष्य में शनिवार शाम को सीकर रोड पर स्थित श्री गणेश मंदिर से प्रारम्भ होकर गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए मांगीलालजी कि धर्मशाला तक संघ के कार्यकताओं के द्वारा पथ संचलन किया गय। जिसमें चिराना,बागोरिया कि ढाणी, लोहार्गल,रामपुरा ग्राम आदि क्षेत्रों के संघ के स्वयंसेवक के अलावा ग्रामीण भी शामिल हुए।संचलन का समापन मांगीलालजी की धर्मशाला में शस्त्र पूजा,प्रार्थना एवं समापन कार्यक्रम के साथ संघ शाखा विकीर हुई। इससे पहले जयपुर प्रान्त सेवा प्रमुख बौद्धिक वक्ता सुर्य प्रकाश के नेतृत्व में भारत माता कि वंदना कि गयी व संघ के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया। सुरक्षा बल गोठड़ा थानाधिकारी हेमराज मीणा मय जाब्ता तैनात रहे। इस दौरान डॉ मोहन लाल सौंकरिया, वैध चंद्रकांत गौतम,शम्भु दयाल शर्मा,रामदेव जांगिड़,चंद्रपाल शर्मा,डॉ राजेंद्र कुमावत,राजेंद्र सैनी,कैलाश सैनी,बाबूलाल सैनी, प्रदीप सैनी,डॉ.प्रताप राम कुमावत,प्रकाश सैनी,श्रीराम जांगिड़,गोवर्धन सिंह,भोपाल सिंह,इंद्रजीत सिंह,मक्खन सैनी, महावीर प्रसाद अग्रवाल,नरेंद्र सिंह,विनोद पारीक,डॉ रतन सिंह शेखावत,किशनलाल गुर्जर,सुरेन्द्र चेजारा,सुमित पारीक,ताराचंद बोहरा,गोविंद कुमावत,यश कुमावत,भरत सिंह,मोहन सैनी, विजेन्द्र कुमावत रामपुरा,श्याम सुंदर जांगिड़,सुरेन्द्र सैनी,कृष्ण चौहान,संदीप सैनी सहित उदयपुरवाटी खंड कार्यवाह राजेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे।

तिवारी परिवार ने पूरा कराया मंदिर का निर्माण

अयोध्या। लोगों की आस्था और भक्ति का केंद्र रही अयोध्या जिले के ग्राम सभा चितावां अंतर्गत तिलकराम पूरा की ग्राम देवी मां काली अब अपने नए मंदिर में विराजमान हों गई। रविवार से मंगलवार तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान में 3 दिनों तक विधि विधान से पूजा पाठ कर मूर्ति प्रतिष्ठापित की गई। उक्त प्राण प्रतिष्ठा स्व. राजदेव तिवारी के पुत्र एडवोकेट देवलाशंकर त्रिपाठी (डीएस त्रिपाठी) के मार्गदर्शन आचार्य पं. वेद प्रकाश मिश्र व सहयोग पं. रामचंद्र मिश्र द्वारा कराया गया। इस पुण्य के काम में यथासंभव तिलकराम पूरा के ग्रामीणों सहित आसपास के लोगों ने मदद कर इस धार्मिक अनुष्ठान के गौरवशाली साक्षी बनें। एडवोकेट डीएस त्रिपाठी ने बताया कि मां काली कई सालों से बगीचे में एक ढेरे के पेड़ के नीचे मिट्टी की बनीं उनकी मूर्ति थी। गांव वाले वहीं बगीचे में जाकर पूजा पाठ के साथ कराही देकर अपनी मन्नतें पूरी करते थे। तभी से मां काली झलियाहिया काली मां के नाम से प्रसिद्ध हो गई। त्रिपाठी ने बताया कि वर्ष 23 दिसंबर 2021 को स्व. इंद्रादेवी की स्मृति में उक्त परिसर की साफ-सफाई की गई। तथा एक चबूतरे का निर्माण कराया गया। उसके ऊपर छोटा मंदिर बनवाया गया।

मां के आशीर्वाद से नवरात्रि के पावन अवसर पर रविवार को मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के साथ विधिवत पूजा पाठ कराया गया। जिसमें सभी ग्रामवासी शामिल हुए। एडवोकेट त्रिपाठी द्वारा किए गए उक्त धार्मिक अनुष्ठान की चहुंओर प्रसंशा हो रही है। बता दें कि स्व. राजदेव तिवारी शुरू से सामाजिक धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। अखंड रामायण पाठ, सुंदरकांड पाठ, फगुआ समेत कई धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते रहते थे। उन्हीं के आशीर्वाद से आज तक ऐसे धार्मिक कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने के लिए मंजू पांडेय, दिनेश तिवारी, विश्वनाथ तिवारी, रमाशंकर तिवारी, विनय तिवारी, अनुराग पांडेय, ऋषिकेश तिवारी, ओम प्रकाश तिवारी, अविनाश तिवारी समेत सभी ग्रामवासियों ने सहयोग किया। एडवोकेट डीएस त्रिपाठी ने इस सहयोग के लिए सभी ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया।

कवि सम्मेलन में प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल को मानस गौरव सम्मान

मुंबई। श्री रामलीला उत्सव समिति पार्कसाईट द्वारा आयोजित अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन 3 अक्टूबर दिन शुक्रवार को किया गया जिसमें सर्वप्रथम वीणावादीनी के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन हुआ। उसके बाद आमंत्रित कवि और कवियत्रियों को श्री रामनामी शाल स्मृति चिन्ह पुष्पगुच्छ और संकल्प पत्रिका भेंटकर स्वागत किया गया तत्पश्चात कवि डॉ रजनीकांत मिश्र,आईआरएस आयुक्त मुंबई डॉ कुंदन यादव, दमदार बनारसी, सपना सोनी, सुमित ओरछा, ज्ञानप्रकाश गर्ग, अभय निर्भीक ने अपने अपने काव्य पाठ से जनता की खूब तालियां बटोरी और उपस्थित लोगों द्वारा खूब सराहा गया, पूरा प्रांगण श्रोताओं से भरा हुआ था।और मंच पर अतिथि के तौर पर उपस्थित जीएसटी कमिश्नर अखिलेश पांडेय, पूर्व कस्टम कमिश्नर के एस मिश्रा,नवभारत के स्थानीय संपादक बृजमोहन पांडेय,महाराष्ट्र प्रदेश के राष्ट्रवादी नेता श्रीकांत मिश्रा,पोद्दार कालेज के डिन डॉ दीपनारायण शुक्ला,कस्टम अधिकारी श्री संजय प्रसाद, उद्योगपति रवि अग्रवाल, त्रिभुवन डेयरी के मालिक श्रीप्रकाश पांडेय, राष्ट्रवादी नेता एवं उद्योगपति उत्तम जैन,वरिष्ठ पत्रकार दयाशंकर पांडेय,पत्रकार पवन पाठक, उद्योगपति संजय मिश्रा, शिवसेना नेता डॉ सुबोध बावदाने, समाजसेवी आईं पी पांडेय, आरकेएस ग्रुप के चेयरमैन संजय मिश्रा,जेएमडी ग्रुप के चेयरमैन हरीश पांडेय। समाजसेवी देवेंद्र प्रताप सिंह, बुलेट सिंह, उद्योगपति अशोक तिवारी, युवा उद्योगपति प्रणव उमाकांत दुबे,रेलवे अधिकारी अजय मिश्रा, पवई विकास सेवा समिति के अध्यक्ष नरेंद्र उपाध्याय, आशीष तिवारी सहित मंच पर कई कस्टम और जीएसटी तथा प्रशासनिक अधिकारी व पत्रकार बंधु सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे। सभी अतिथियों का समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल और प्रमुख राहुल शुक्ल तथा समिति के लोगों द्वारा श्री रामनामी शाल पुष्पगुच्छ संकल्प पत्रिका भेंटकर स्वागत किया गया। और समिति द्वारा प्रकाशित संकल्प पत्रिका का कवि गण एवं उपस्थित अतिथियों के हाथों विमोचन हुआ।और 2025 का रामलीला महोत्सव सफलता पूर्वक संपन्न किए जाने हेतु प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल को ₹मानस गौरव₹ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। तथा समिति के कार्यकारिणी के लोगों का भी स्वागत हुआ। जयसिंहपुर प्रमुख राहुल शुक्ल को भी श्रीरामनामी शाल पुष्पगुच्छ संकल्प पत्रिका भेंटकर स्वागत किया गया तथा उनकी टीम 7200 जो गांव से आए हुए क्षेत्र पंचायत सदस्यों का भी स्वागत किया गया। इसी कड़ी में समिति द्वारा आयोजित सुरुचि भोज में समिति के कार्यकारिणी तथा उपस्थित सभी लोगों ने सुरुचि भोज का लाभ लिया। इस अवसर समिति के पदाधिकारी, सदस्य, सलाहकार, कार्यकर्तागण अन्य सहयोगी श्री रामभक्त मौजूद रहे। और 2025 रामलीला महोत्सव सफलता पूर्वक संपन्न किए जाने पर संगठन मंत्री आदेश मिश्र ने समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उपस्थित पत्रकार बंधुओं तथा समिति के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने जो दिन रात मेहनत किए जिनके वजह से यह आयोजन निर्विघ्नता पूर्वक सफल रहा उन सभी राम भक्तों के प्रति धन्यवाद के साथ आभार व्यक्त किया गया।और आगे भी इसी तरह समिति के प्रति आप सब लोग अपना सहयोग बनाए रखे।इस मौके पर समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल,दिवाकर मिश्र, सर्वदेव पांडेय, दलजीत पांडेय, आदेश मिश्र, दिव्यप्रकाश तिवारी, भोलानाथ मिश्रा, राजेश सिंह, विमलेश मिश्र, रत्नेश शुक्ल, संजय मिश्रा, बृजेश शुक्ला,अरविंद शुक्ल, राजन सिंह,चंद्रमणि सिंह, राजेश सिंह, प्रदीप मिश्रा,संदीप शुक्ला, प्रशांत सी शुक्ल, प्रमुख राहुल शुक्ल, आशीष तिवारी, शुभम सिंह, प्रदीप मिश्रा, ब्रह्मदेव दुबे, रामतीरथ शर्मा,एड सुमित पाल, रमापति यादव, तपस्वी चौरसिया, संदीप दुबे, नीरज शुक्ला,अवधेश तिवारी, अशोक गुप्ता, सचिन शुक्ल, राज मिश्रा, प्रेम सिंह, ऋषभ प्रथम शुभांशु प्रत्यूष शुक्ल,प्रेम तिवारी, मोहन श्रीवास्तव,सुरेश पांडेय और नवीन सिंह, पंच बहादुर वर्मा,आकाश दुबे,सुनील वर्मा,अंजनी यादव सहित लोग मौजूद रहे।

मूर्ति विसर्जन में आए युवक की चाकू गोदकर हत्या, लहुलूहान छोड़ भागे मनबढ़, तीन लोग गिरफ्तार

आजमगढ़। आजमगढ़ के गंभीरपुर थाना क्षेत्र के दयालपुर गांव के रहने वाले 25 वर्षीय युवक देवेंद्र चौहान की नागपुर (महाराष्ट्र) में चाकू मारकर हत्या कर दी गई। यह दर्दनाक घटना दो अक्टूबर को दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई, जब एक मामूली कहासुनी ने गंभीर रूप ले लिया। शनिवार की सुबह पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही एंबुलेंस से शव गांव पहुंचा, पूरे परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, देवेंद्र चौहान पुत्र अजय चौहान नागपुर में रहकर एल्युमिनियम का काम करता था। वह करीब 20 दिन पहले पासपोर्ट बनवाने के सिलसिले में घर आया था और इसके बाद वापस नागपुर चला गया था। दो अक्टूबर को वह सड़क किनारे खड़े होकर दुर्गा पूजा का विसर्जन देख रहा था, तभी तीन युवकों से मामूली धक्का-मुक्की को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते बात बढ़ गई और एक युवक ने चाकू से उस पर कई वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल देवेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर देवेंद्र के मित्र दुर्गेश चौहान निवासी खरहटी, गंभीरपुर ने नागपुर पुलिस में तीन लोगों के खिलाफ तहरीर दी, जिसके बाद पुलिस ने तीनों को हिरासत में ले लिया है। मामले की जांच जारी है। शनिवार की सुबह लगभग 11 बजे जब देवेंद्र का शव गांव पहुंचा, तो पूरे परिवार में चीख-पुकार मच गई। मां बिंदु चौहान समेत परिजन बेसुध हो गए। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। देवेंद्र परिवार में दो भाइयों और दो बहनों में तीसरे नंबर पर था।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने व्यापारी बंधुओ के साथ नेक्स्ट-जेन जीएसटी सुधार विषय पर किया संवाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राज्यमंत्री नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग उत्तर प्रदेश/प्रभारी मंत्री ए0के0 शर्मा के द्वारा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एंव युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव, सांसद राज्यसभा श्रीमती सीमा द्विवेदी, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर श्रीमती मनोरमा मौर्या और जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, अजय सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित संवाद कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों से मुलाकात कर जीएसटी कर सुधारों पर चर्चा की।

प्रभारी मंत्री के द्वारा बताया गया जीएसटी की दरों में सुधार कर दैनिक आवश्यक वस्तुओं पर बडी बचत, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में राहत, सस्ती शिक्षा किसानों और कृषि को बढावा, आटोमोबाइल के क्षेत्र में भारी छूट और इलेक्ट्रानिक उपकरणों पर बचत सुनिश्चित की है। जीएसटी की दरों में कमी से व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी, बाजार को नई ऊर्जा मिलेगी और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जन-हितैषी कर प्रणाली विकसित करने का संकल्प लिया है, जिससे व्यापारियों को राहत मिले और उपभोक्ताओं को भी सुलभ दर पर वस्तुएं उपलब्ध हों। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार लगातार व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता पर लेकर समाधान कर रही है। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने व्यापारियों से अपील की कि वे स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि स्थानीय व्यापार को मजबूत करने से न केवल जिले की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी बल्कि देश की प्रगति में भी योगदान होगा।

प्रभारी मंत्री के द्वारा व्यापारी बन्धुओं से कहा कि ग्राहकों को छुट दिये जाने का संकल्प लें। उन्होंने सभी व्यापारी बन्धुओं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाए भी दी। कार्यक्रम में उपस्थित व्यापारियों ने मंत्री जी के विचारों का स्वागत किया और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लिए जा रहे निर्णयों के प्रति आभार व्यक्त किया। व्यापारियों ने विश्वास जताया कि जीएसटी सुधारों से न केवल कारोबार सुगम होगा बल्कि भविष्य में व्यापार जगत और अधिक सशक्त बनेगा।

इसके उपरान्त प्रभारी मंत्री के द्वारा किसानों को निःशुल्क मटर बीज मिनी किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र, पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, उपायुक्त प्रशासन सुरेन्द कैथल, उपायुक्त राज्यकर अक्षयलाल, सहायक आयुक्त राहुल कुमार राय, सहायक आयुक्त संतोष तिवारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

तेज आंधी में चौरीचौरा से मैरवां के बीच रेलवे ट्रैक पर गिरे पेड़, 11 ट्रेनें फंसी

गोरखपुर। शुक्रवार की देर रात तेज बारिश के बीच के आंधी में चौरीचौरा से मैरवां, देवरिया के बीच छह स्थानों पर रेलवे ट्रैक पर पेड़ गिर गया। इससे ट्रेनों का संचलन प्रभावित हो गया। 11 ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर रोकना पड़ा। शनिवार सुबह कुछ ट्रेनों को डायवर्ट कर कैंट स्टेशन से कप्तानगंज-पनियहवा के रास्ते चलाया गया। जानकारी के मुताबिक, चौरीचौरा से सरदारनर, बैतालपुर से देवरिया, भटनी से नूनखार, बनकट से मैरवा रेल खंड के बीच पेड़ गिरने से रेल ट्रैक बाधित हो गया। इसके चलते बिहार जाने वाली पूर्वांचल एक्सप्रेस, पूरबिया एक्सप्रेस, दरभंगा क्लोन एक्सप्रेस, आनंद विहार-सीतामढ़ी एक्सप्रेस को गोरखपुर कैंट स्टेशन पर रोक दिया गया। वहीं, आनंद विहार गोरखपुर एक्सप्रेस, हमसफर एक्सप्रेस को डोमिनगढ़ स्टेशन पर खड़ा किया गया। इसके अलावा बिहार से आने वाली ट्रेनों को देवरिया, भटनी, सिवान स्टेशनों पर खड़ा किया गया। ट्रेनों के घंटों खड़ा होने से यात्रियों की मुकिश्में बढ़ गई। सभी जगहों पर रेलवे स्टॉफ ने तेजी पेड़ कोहटाने और रेलवे ट्रैक को दुरुस्त कर ट्रेनों को चलाने में जुट गए। दोपहर बाद ट्रेनों के आवागमन के सामान्य होने की उम्मीद जताई जा रही है।

रिलायंस ज्वेल्स ने नए फेस्टिव कलेक्शन का शुभारंभ किया

बेगूसराय। दिवाली और धनतेरस के अवसर पर रिलायंस ज्वेल्स ने अपने नए फेस्टिव कलेक्शन का भव्य शुभारंभ किया। यह कलेक्शन त्योहार की खुशियों और भारतीय परंपरा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। नए कलेक्शन में लक्ष्मी-प्रेरित आकृतियाँ, रंगोली, लालटेन, दीये, कमल और मोर के फूल जैसे आकर्षक डिजाइन शामिल हैं। इसमें इयररिंग्स, चोकर, लॉन्ग नेकलेस, चूड़ियाँ और रिंग्स जैसे सोने और हीरों से तैयार किए गए आभूषण उपलब्ध हैं, जो त्योहार और शादी जैसे अवसरों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए हैं। ग्राहकों को 100 प्रतिशत ओल्ड गोल्ड एक्सचेंज वैल्यू की सुविधा के साथ-साथ सोने के मेकिंग चार्ज पर 45 प्रतिशत तक और हीरों पर 35 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। यह ऑफर 2 नवम्बर 2025 तक मान्य है। रिलायंस ज्वेल्स का यह

रामलीला मंचन में पुतला दहन, भरत मिलाप व श्री रामराज्यभिषेक झांकी की विशेष प्रस्तुति

मुंबई। श्री रामलीला उत्सव समिति पार्कसाईट द्वारा आयोजित रामलीला मंचन में गुरुवार को अहिरावण वध, दशहरा मेला एवं आधुनिक तकनीक से पुतला दहन का भव्य आयोजन किया गया। बारिश के बावजूद भी पूरा प्रांगण दर्शकों से खचाखच भरा रहा। इसके उपरांत भरत मिलाप तथा श्रीराम राज्याभिषेक झांकी की विशेष प्रस्तुति ने सभी भक्तों को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर घाटकोपर वेस्ट विधानसभा के विधायक राम कदम तथा सीजीएसटी आयुक्त उत्कर्ष तिवारी का समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल और जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल शुक्ल के द्वारा श्रीरामनामी शाल, स्मृति चिन्ह, पुष्पगुच्छ एवं संकल्प पत्रिका भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। इसी क्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल निर्मले, संतोष गांजले सहित अन्य गणमान्य अतिथियों का भी अभिनंदन किया गया। श्री राम कला रामायण प्रचारक मंडल, काशी धाम वाराणसी से आए कुशल कलाकारों द्वारा 11 दिवसीय रामलीला मंचन की प्रस्तुति हेतु सभी कलाकारों का समिति अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों द्वारा शाल, संकल्प पत्रिका और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत सत्कार किया गया। समिति पदाधिकारियों में भोलानाथ मिश्रा, दलजीत पांडेय, राजेश सिंह, विमलेश मिश्रा, अरविंद शुक्ल, शुभम सिंह, अवधेश तिवारी, अशोक गुप्ता, प्रेम तिवारी, संदीप दुबे, नीरज शुक्ला, प्रिंस जैन, किशोर, मोहन श्रीवास्तव, अरुण गुप्ता, प्रदीप मिश्रा, भास्कर दुबे, रामतीरथ शर्मा, सुशील वर्मा, प्रथम शुक्ल, प्रत्यूष शुक्ल सहित अन्य पदाधिकारी एवं सहयोगी आकाश दुबे, बुआ डेकोरेटर, किशन शर्मा, विपिन सिंह आदि का भी पुष्पगुच्छ व शाल देकर स्वागत कर आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल के कुशल नेतृत्व में हुआ। अंत में समिति संगठन मंत्री आदेश मिश्र ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। आगामी कार्यक्रम अंतर्गत 3 अक्टूबर दोपहर 1 बजे से बिरहा का जंगी मुकाबला और शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक आयोजित विराट कवि सम्मेलन।

तेज बारिश और हवा से सड़कों पर गिरे पेड़, घंटों बाधित रहा आवागमन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज नगर पंचायत क्षेत्र के राजेंद्र चौक से मौनिया बाबा सड़क में रामेश्वर धाम मंदिर के पास, सिहौता शो मंदिर व बी एस एन एल कार्यालय वाले सड़क में तेज हवा बारिश के कारण पेड़ गिरने से आवागमन घंटों बाधित रहा। स्थानीय अनुमंडल प्रशासन के सक्रियता से नगर पंचायत और वन विभाग के द्वारा गिरे पेड़ की कटाई कर जेसीबी से रस्ते का आवागमन शुरू किया गया। पेड़ गिरने से बिजली की तार टूटने से बिजली भी बाधित रही।

चोर समझकर युवक को पीट पीटकर मार डाला

रायबरेली। ऊंचाहार के डाड़ेपुर मजरे ईश्वरदासपुर गांव के पास सड़क पर जा रहे युवक को चोर समझकर पकड़ लिया। युवक को रेल लाइन किनारे खंभे में बांध दिया गया और बेल्ट व लाठी डंडे जमकर पीटा गया। इससे उसकी मौत हो गई। युवक कौन है और कहां का रहने वाला है। इसका पता नहीं चला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ऊंचाहार डलमऊ मार्ग पर बुधवार की रात लगभग 1 बजे 40 वर्षीय एक युवक पैदल जा रहा था। तभी गांव के पास ग्रामीणों ने उसे बुलाया और रात में जाने की वजह पूछी वह कुछ नहीं बता पाया। इसके बाद चोर होने की अफवाह उड़ी और कुछ मिनट में वहां भीड़ लग गई। भीड़ ने उसकी पिटाई शुरू कर दी। बाद में ईश्वरदासपुर रेलवे स्टेशन के पास नहर किनारे खंभे से बांध दिया और बेल्ट व डंडे से पिटाई की। पिटाई से के चलते उसका शरीर काला पड़ गया। उसके सिर में भी गंभीर चोटें आईं। वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। यह देख पिटाई करने वाले लोग भाग निकले। रात में किसी ने पुलिस को सूचना नहीं दी। युवक वहीं पड़ा रहा और उसकी मौत हो गई। बृहस्पतिवार की सुबह मौत की खबर से वहां मजमा लग गई। अभी युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस को सूचना दी गई। कोतवाल संजय कुमार ने बताया कि एक युवक का शव मिला है। उसकी शिनाख्त कराई जा रही है।

यूपी में बड़े पैमाने पर जजों का तबादला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर 130 न्यायिक अधिकारियों का स्थानांतरण कर दिया गया है। नोएडा, गाजियाबाद, संभल, प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी समेत कई जिलों में नए जिला जज बनाए गए हैं। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल मंजीत सिंह श्योराण ने इस आशय की अधिसूचना जारी कर दी है। यह तबादले इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अरुण भंसाली के आदेश पर हुए हैं। चंदौली, पीलीभीत, बुलंदशहर, देवरिया, जालौन, फतेहपुर, महोबा, नोएडा, लखनऊ, प्रयागराज, बरेली, ललितपुर, कन्नौज, हरदोई, वाराणसी, मुरादाबाद, कानपुर नगर, सहारनपुर, सुल्तानपुर, महाराजगंज, संभल समेत कई जिलों में नए जिला जज भेजे गए हैं।

अंबे माता शक्ति धाम में धूमधाम से सम्पन्न हुआ नवरात्रोत्सव

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के उमरोली ग्राम पंचायत अंतर्गत वीरवाड़ी स्थित अंबे माता शक्ति धाम मंदिर में नवरात्रोत्सव बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस धार्मिक आयोजन का संचालन अंबे माता शक्ति धाम के संस्थापक संतोष राय महाराज के सानिध्य में किया गया। पूरे नवरात्र महोत्सव के दौरान माता अम्बे जी का पूजन, हवन, यज्ञ एवं महाआरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समापन विशाल भंडारे के साथ हुआ, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने माता जी के दरबार में उपस्थित होकर आशीर्वाद प्राप्त किया और महाप्रसाद का लाभ लिया। इस पावन अवसर पर हंसमडी राय, यश राय, आचार्य पंडित विवेक महाराज, गायत्री श्यामसुंदर शर्मा, जयप्रकाश जयसवाल, प्यारेलाल राय, प्रेम भारद्वाज, बंसराज यादव, सूरज सिंह, सरजू पटवा, सुभाष शर्मा, संतोष पांडेय, अशोक सिंह, राजेश ओझा, रवि यादव, रामचंद्र मिश्रा, आकाश चौहान, अनिल सिंह, तीरथ पाल, राजकुमार पाल, कमलेश पाल, अनूप पाठक, सुरेश त्रिवेदी (डॉक्टर), कृष्ण कमल सिंह, यशवंत सिंह, योगेश सिंह, संदीप कुमार पांडेय, बबलू सिंह, सूरज पटवा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, श्रद्धालु एवं सहयोगीगण उपस्थित रहे।

एच एंड एम ब्यूटी कॉन्सेप्ट ने पेश की मेकअप और फ्रेग्रेन्स की क्यूरेटेड रेंज

पटना। एच एंड एम ने एच एंड एम ब्यूटी कॉन्सेप्ट के पहले लॉन्च की घोषणा की जो फैशन और होम कॉन्सेप्ट से आगे बढ़कर ब्यूटी के माध्यम से आत्म-अभिव्यक्ति को सशक्त बनाने का अवसर प्रदान करता है। इस पदार्पण के साथ ट्रेंड-ड्रिवेन, समावेशी और सुलभ ब्यूटी लाइनअप पेश किया गया है। पटना में यह कलेक्शन सिटी सेंटर पटना में उपलब्ध होगा। एच एंड एम ब्यूटी कॉन्सेप्ट अपने भारत लॉन्च के साथ स्थानीय रूप से निर्मित मेकअप और फ्रेग्रेन्स की क्यूरेटेड रेंज पेश करता है, जिसे वैश्विक स्रोतों से आने वाले ब्यूटी टूल्स के व्यापक चयन के साथ पूरा किया गया है।

29वें दीक्षांत समारोह : स्वर्णपदक धारकों के लिए ड्रेस कोड का पालन अनिवार्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 29वें दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास रविवार को महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में आयोजित होगा। दीक्षांत समारोह में भाग लेने वाले उपाधिधारकों को सुबह 10 बजे तक विश्वविद्यालय में उपस्थित होना अनिवार्य किया गया है। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने दीक्षांत समारोह की तैयारी में लगे अधिकारियों एवं शिक्षकों को व्यवस्थाएं पूर्ण करने का निर्देश दिया।

समारोह में स्वर्णपदक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं अपने साथ किसी एक अभिभावक में माता, पिता या संरक्षक को ला सकते हैं, जिनके लिए विश्वविद्यालय की ओर से पास जारी किया जाएगा। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने स्वर्णपदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के परिधान को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। छात्राओं के लिए सफेद सलवार, सफेद दुपट्टा और हल्के रंग का कुर्ता या हल्के रंग की साड़ी अनिवार्य की गई है, जबकि जींस और टॉप पहनने की मनाही रहेगी। छात्रों के लिए सफेद या हल्के रंग की पूरी बांह की शर्ट तथा गाढ़े रंग की पैंट निर्धारित की गई है। साथ ही काले, नीले या भूरे रंग की पैंट, जींस, टी-शर्ट तथा भड़काऊ कपड़े पहनने पर प्रतिबंध लगाया गया है। कुलसचिव केश लाल ने कहा कि मुख्य समारोह के दौरान अनुशासन एवं मयार्दा का पालन सुनिश्चित करना प्रत्येक प्रतिभागी का दायित्व है। किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए सभी प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे समय पर पहुंचें और निदेर्शों का पालन करें। 29वें दीक्षांत समारोह को सफल एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

वाराणसी के काशी हिंदू विश्वविद्यालय स्थित इंडो लैब में लगी आग

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के काशी हिंदू विश्वविद्यालय स्थित इंडो लैब में आज सुबह लगभग 8:20 पर आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची थी। लेकिन बीएचयू में बारिश की वजह से जल भराव के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लेकिन फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने अगल-बगल की बिल्डिंग से आग पर काबू पाने का प्रयास किया और लगभग 1 घंटे के प्रयास के बाद आग पर पूर्णतया काबू पा लिया गया. चीफ फायर ऑफिसर आनंद सिंह राजपूत के मुताबिक इस जगह का इस्तेमाल स्टोरेज के रूप में किया जा रहा था। जिसमें सिरिंज के गत्ते रखे हुए थे जिसकी वजह से आज ज्यादा फैल गई थी. समय रहते आग पर नियंत्रण पा लिया गया आग पूर्णतया काबू में है। लेकिन अभी धुआं भर होने की कारण दिक्कतें हो रही है। जिसको पूर्णतया ठीक करने की कोशिश की जा रही है आज की सूचना पैट्रियोटिक विभाग की दी गई थी लेकिन आज वहां नहीं लगी थी वह गलत सूचना थी जो वायरल हो रही थी।

मुख्यमंत्री आवास योजना चार साल में हुआ धाराशाही, पिता और दो माह का पुत्र गंभीर घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के शनिवार की सुबह लगभग चार बजे मुख्यमंत्री आवास योजना चार साल में धाराशाही हो गया। आवास गिरने से पिता और दो माह का पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए परिजनों ने आनन फानन में बच्चों को प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज करवा रहे हैं वहीं पिता को जिला चिकित्सालय में इलाज चल रहा है स्थानीय लोगों में आवाज को लेकर ग्राम प्रधान और सचिव पर जितने लोग उतनी चचार्एं हो रही हैं।

बता दे कि गिरधरपुर गांव निवासी शोभा सोनकर 50 वर्ष पत्नी नन्द लाल सोनकर कहां की हर रोज की तरह खाना खाकर प्रदुम्न 24वर्ष पत्नी नन्द लाल सोनकर अपने परिवार के साथ रात में सो रहे थे। कि शनिवार की सुबह लगभग 4:00 बजे मुख्यमंत्री आवास गिरने लगा जिसमें प्रदुम्न सोनकर 24 वर्ष और उनका दो माह का पुत्र आयुष दब गए गिरने की आवाज सुनकर बगल में सो रहे परिजनों ने तुरंत उन लोगों को बाहर निकाला और प्रदुम को जिला चिकित्सालय और दो माह के बच्चे को प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। सुबह जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचकर अपने में चर्चा कर रहे हैं की 4 साल पहले बना मुख्यमंत्री आवास योजना कैसे इतने जल्दी धाराशाही हो गया जिसको लेकर जितने लोग उतनी बातें हो रही हैं। पीड़ित महिला शोभा सोनकर के बताया कि 4 साल पहले मुख्यमंत्री आवास योजना की किस्त दो बार में मिली लेकिन मजदूरी तीन बार में सिर्फ आठ हजार पांच सौ मिले। जिसको लेकर मौजूद स्थानीय लोगों ने ग्राम प्रधान और सचिन के ऊपर तरह-तरह की चचार्एं कर रहे थे। और उन्होंने बताया कि मकान गिरने से रखे हुए सारे अनाज भूसा सब नष्ट हो गए अब जीविका चलाना बहुत ही मुश्किल होगा। और कहां की प्रमुख प्रतिनिधि सुनील यादव मौके पर पहुंचकर सचिव को फोन करके कहा कि आप मौके पर जाकर जांच पड़ताल करके रिपोर्ट लगाए प्रमुख ने पीड़ित को आश्वासन दिया कि आपकी सहायता की जाएगी।

उधार न लौटाना शख्स को पड़ा भारी, मात्र 1500 रुपये के लिए दोस्तों ने उतारा मौत के घाट

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने मारपीट कर जगमोहन उम्र 41 साल की हत्या के मामले में तीन आरोपियों गौरव उर्फ गौरी, गगन उर्फ कालू और अनिकेत उर्फ अंकित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी पुराना बिजली घर आदर्श नगर के रहने वाले हैं। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ है कि गौरव से जगमोहन ने 1500 रुपये उधार लिए थे। पैसे न देने पर आरोपी गौरव ने गगन और अनिकेत के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया।

उप-पुलिस अधीक्षक पवन कुमार ने बताया कि मृतक जगमोहन के भाई देवीदास ने पुलिस को शिकायत दी थी कि 2 अक्तूबर को दोपहर लगभग ढाई से तीन बजे के बीच वह एक हार्डवेयर की दुकान पर काम कर रहा था। तभी उसने देखा कि तीनों आरोपी जगमोहन को घायल अवस्था में एक बाइक पर कहीं ले जाते हुए दिखाई दिए। उन्होंने अपनी स्कूटी से उनका पीछा किया। तीनों आरोपी जगमोहन को ट्रॉमा सेंटर के भीतर छोड़कर फरार हो गए। इस दौरान भाई की लड़कियों ने बताया कि वे तीनों लड़के जगमोहन को तलाश करते हुए घर पर आए थे और उसके बारे में पूछने लगे तो बताया कि उनके पिता पिपल के पेड़ के नीचे बैठे हुए हैं। शिकायत में बताया गया कि आरोपियों ने रॉड और लाठी-डंडों से जमकर मारपीट की। जब जगमोहन की बेटियां उसे छुड़ाने की कोशिश करने लगीं तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। थाना रामपुरा पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर नामजद तीनों आरोपियों के खिलाफ हत्या की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और कार्रवाई शुरू की।

उप-पुलिस अधीक्षक पवन कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर तीनों को रेवाड़ी रेलवे ट्रैक के पास से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने हत्या की घटना स्वीकार की। पुलिस ने आरोपियों से मोटरसाइकिल और लाठी-डंडे बरामद कर लिए हैं। पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पिता ने 4 मासूम बच्चों समेत यमुना में लगाई छलांग, पत्नी की सच्चाई जानकर उड़ जाएंगे होश

शामली। उत्तर प्रदेश के शामली जिले के कैराना कस्बे से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मोहल्ला खेल कला निवासी 38 वर्षीय मजदूर सलमान ने अपनी पत्नी की बेवफाई और ससुरालवालों की प्रताड़ना से परेशान होकर अपने चार बच्चों के साथ यमुना नदी में छलांग लगा दी। घटना से पहले सलमान ने रोते हुए तीन वीडियो बनाकर अपनी बहन को भेजे थे। वीडियो में उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी और उसका प्रेमी, साथ ही ससुरालवाले, उनके और बच्चों के दुख और मौत के जिम्मेदार हैं। सलमान ने बताया कि पिछले सात महीनों से उसका जीवन नर्क बन गया है और कानून से उसे कोई मदद नहीं मिल पा रही। सलमान के साथ उसकी 12 साल की बेटी महक, 5 साल की शिफा, 3 साल का बेटा आयान और आठ महीने की इनायशा भी थे। घटना स्थल यमुना नदी के पुराने पुल के पास था। वीडियो बनाने के बाद, सलमान ने सभी बच्चों के साथ नदी में छलांग लगा दी। सलमान की बहन गुलिस्ता ने बताया कि भाई बच्चों को साथ लेकर घर से निकला। वीडियो मिलने के बाद, परिजन और मोहल्लेवासी यमुना पुल पर पहुंचे और घटना का पता चला। सूचना मिलते ही पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंच गई और देर रात तक पांचों की तलाश जारी रही। सीओ श्याम सिंह भी घटनास्थल पर मौजूद रहे। वीडियो में सलमान कहते हैं, महक बेटा, हम सब मर जाएंगे। हमारी मौत की जिम्मेदार तुम्हारी अम्मी और उनके साथी हैं। सात महीने से उन्होंने हमारा जीना हराम कर रखा है। मेरे पास कोई विकल्प नहीं बचा। सरकार या किसी और से कोई उम्मीद नहीं है। कैराना की यह घटना पूरे इलाके में सनसनी पैदा कर रही है। लोग मासूम बच्चों की जिंदगी के लिए व्यथित हैं।

मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत महिला क्रास कन्ट्री रेस का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत महिला सुरक्षा की जागरूकता हेतु जनपद स्तर पर एक दौड़ रन फार इम्पावरमेन्ट का आयोजन जिला प्रशासन के निर्देश के अनुपालन में कराया जाना है। जनपद स्तरीय महिला क्रास कन्ट्री रेस का आयोजन 08 अक्टूबर 2025 को प्रातः 8 बजे से मॉ दुर्गा जी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल सिद्दीकपुर से इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर तक किया जायेगा। उक्त रेस के आयोजन में खेल विभाग के साथ ही पुलिस, चिकित्सा, माध्यमिक, बेसिक शिक्षा विभाग के साथ ही नगर पालिका जौनपुर के संयुक्त समन्वय से किया जा रहा है। उक्त क्रास कन्ट्री रेस में प्रतिभाग करने की इच्छुक महिला/बालिका खिलाड़ी प्रातः 7.30 तक अवश्य उपस्थित हो जाय ताकि रेस की आयोजन की औपचारिकतायें पूर्ण कर रेस का सकुशल आयोजन कराया जा सके।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं अपना नाम शोभा सिंह से बदलकर शोभा रामचंद्र सिंह कर लिया है। अब मुझे मेरे नए नाम शोभा रामचंद्र सिंह से जाना पहचाना जाए।

प्रार्थिनी- शोभा रामचंद्र सिंह
मुंबई, महाराष्ट्र।

बारिश से भारी नुकसान, जल जमाव को लेकर गला मंडी में व्यवसाइयों ने किया प्रदर्शन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में गत 4 अक्टूबर 2025 को भारी बारिश होने के कारण महाराजगंज 112 विधानसभा क्षेत्र के महाराजगंज शहर के गला मंडी में पानी घुस गया, पानी घुसने से लाखों करोड़ों का व्यापारियों का नुकसान हुआ है। नाला का सफाई नहीं होने के कारण सभी व्यापारियों के दुकानों से लेकर घरों में पानी घुस गया, जिसके कारण सभी लोगों का बहुत भारी नुकसान हुआ है। आटा चोकर चीनी दाल सभी प्रकार का सामग्री में पानी घुस गया, जिसके कारण सब सामान खराब हो गया भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। सभी व्यापारियों को महाराजगंज के लिए योगी अंगद जी महाराज उर्फ बिहार वाले योगी जी दो माह पहले से ही आवाज उठाए थे और अनशन आंदोलन किए थे अनशन पर बैठे थे तो प्रशासन से आश्वासन मिला था कि नाला के सफाई किया जाएगा लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया। योगी अंगद महाराज ने कहा कि एसडीएम आई बोली कि हम सभी नले की साफ सफाई करवाते हैं लेकिन नहीं करवाई ईसी के कारण इतना भारी नुकसान हुआ है, सभी व्यापारियों को अब इसका भर पाया कौन करेगा घर में पानी घुसने के कारण लोगों ने खाना तक नहीं खा पारहे है नहीं बना पा रहे है। आगे उन्होंने कहा कि अब हम इसके लिए अनिश्चितकालीन अनशन आंदोलन बहुत जल्द शुरू करेंगे आज धरना दिए थे अब अनिश्चितकालीन अनशन आंदोलन चलेगा जब तक महाराजगंज का सारी व्यवस्था तंदुरुस्त नहीं हो जाती है तब तक मेरा आंदोलन चलते रहेगा।